RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

वर्ष- 13, अंक - 206 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 14 मई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

गिराई जाएगी पटना कलेक्टोरेट की 350 साल पुरानी इमारत, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हर इमारत संरक्षण लायक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिए एक अहम आदेश में बिहार की राजधानी पटना के कलेक्टोरेट कार्यालय की 350 साल पुरानी इमारत गिराने की इजाजत दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी की कि अंग्रेज राज की हर इमारत संरक्षण करने लायक नहीं है।

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (ढ्ढहृञ्ज॥) की पटना इकाई ने इस इमारत को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इमारत गिराने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका में कहा गया था कि इमारत शहर की सांस्कृतिक विरासत का एक प्रमुख हिस्सा है। इसे गिराने की बजाय संरक्षित किया जाना चाहिए। इस इमारत का इस्तेमाल अंग्रेज अफीम और नमक के भंडारण के गोदाम के रूप में करते थे।

बिहार सरकार ने 31 जुलाई 2019 को पटना कलेक्टर कार्यालय के इस जीर्ण-शीर्ण भवन को गिराने का फैसला कर आदेश जारी किए थे। शासन यहां नया भवन बनाना चाहता है। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2020 में भवन में यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए थे।

जीर्ण-शीर्ण इमारत लोगों के लिए गंभीर खतरा

वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने बिहार सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में होकर लोगों के लिए एक गंभीर खतरा है। बिहार शहरी कला और विरासत आयोग ने 4 जून, 2020 को कलेक्ट्रेट परिसर को ध्वस्त करने की मंजूरी दी थी। 1972 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने बिहार में एक सर्वेक्षण किया था। उसने भी पटना के कलेक्टोरेट को संरक्षित इमारत की सूची में शामिल नहीं किया था।

स्कूल शिक्षा मंत्री टेकाम ने जारी किया 10वीं और 12वीं का रिजल्ट

रायगढ़ की सुमन व कांकेर की सोनाली ने 10वीं में किया टॉप, 12वीं में रायगढ़ की कुंती ने मारी बाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सीजी बोर्ड के रिजल्ट जारी कर दिए गए। 10वीं में रायगढ़ की सुमन पटेल, कांकेर की सोनाली और 12वीं में रायगढ़ की कुंति साव ने टॉप किया है। छत्तीसगढ़ के स्टूडेंट्स के लिए शनिवार को 10वीं और 12वीं के रिजल्ट आ गए। हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा के ये परीक्षा परिणाम दोपहर 12 बजे स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने रिजल्ट जारी किया। दसवीं की परीक्षा में 74.23 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए, जिनमें लड़कियों का प्रतिशत 78.84 और लड़कों का प्रतिशत 69.7 रहा। 12वीं की परीक्षा में 79.30 प्रतिशत स्टूडेंट पास हुए। इसमें लड़कियों का प्रतिशत 81.15 और लड़कों का प्रतिशत 77.03 रहा।

10वीं की परीक्षा में कुल 15, 983 स्टूडेंट्स सप्लीमेंट्री आए हैं। वहीं 294 परीक्षार्थी ऐसे हैं, जिनके परिणाम रोक दिए गए हैं। इनके अलावा 115 स्टूडेंट्स के रिजल्ट नकल प्रकरण के चलते रोक दिए गए हैं। 28 स्टूडेंट्स ऐसे हैं जिनके परिणाम बाद में जारी किए जाएंगे।

दसवीं की परीक्षा में 3,63,301 स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। जिसमें 2,69,478 स्टूडेंट पास हुए। हाई स्कूल 12वीं की परीक्षा में 2,87,673 स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। इसमें से 2,27,991 स्टूडेंट पास हुए।

दसवीं के रिजल्ट में सुधार

10वीं पिछले साल कुल 3 लाख 84 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे। उस दौरान 73.62त्न स्टूडेंट पास हुए थे। मगर इस बार यह आंकड़ा बढ़ा है। इस बार कुल 74.23 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए हैं। मतलब की इस बार परिणाम में 0.61 प्रतिशत की बढोतरी हुई है।

दुर्ग जिला भी टापर की लिस्ट में शामिल

दुर्ग जिले से 10वीं में सिर्फ एक छात्र ने टॉप किया है। जबकि 12वीं में दुर्ग जिले के 2 छात्रों ने टॉप किया है। दोनों की रैंकिंग पहली है। सरकारी स्कूल तकियापारा की माधुरी सारथी ने 94त्न अंक के साथ स्टेट में टॉप किया है। हालांकि उनसे पहले 4 छात्रों ने भी फर्स्ट रैंक हासिल की है। फर्स्ट रैंक में दुर्ग जिले से एक और छात्र प्रणय पांडेय ने सफलता हासिल की है। प्रांजय ने भी फर्स्ट रैंक हासिल किया है। प्रांजय शकुंतला विद्यालय का छात्र है। वहीं 10वीं में सरकारी स्कूल सेमरिया के कुलदीप चतुर्वेदी ने 97.17त्न के साथ 8वां रैंक हासिल किया है।

दो साल बाद स्कूल में हुई है ऑफलाइन परीक्षा

पिछली बार कोरोना संक्रमण की वजह से दसवीं की परीक्षा नहीं हुई थी। असाइनमेंट के आधार पर रिजल्ट जारी किए गए थे। बारहवीं की परीक्षा भी छात्रों ने घर से दी थी। तब जहां छात्र पढ़ते थे, उन्हीं स्कूलों से परीक्षा के लिए आंसरशीट और प्रश्नपत्र का वितरण किया गया था। आंसर लिखने के बाद छात्रों ने संबंधित स्कूलों में ही कापियां जमा की। इस बार छात्रों को संबंधित सेंटर में जाकर पेपर लिखना था, जैसा परीक्षा का आम पैटर्न हुआ करता है।

टोल फ्री नंबर पर साझा कर सकते हैं अपनी परेशानी

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने परीक्षा से जुड़े परेशानी को दूर करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 18002334363 जारी किया है। इस नंबर पर मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, करियर काउंसलर स्टूडेंट्स को रिजल्ट के बाद किसी भी तरह की परेशानी पर बात करेंगे। अगली क्लास में विषयों के चयन के संबंध में बात कर सकेंगे। इसमें विद्यार्थी, शिक्षक और पेरेंट्स सुबह 10.30 बजे शाम 5 बजे तक बात कर सकेंगे।

शिकारियों ने तीन पुलिसकर्मियों की हत्या की

परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये देगी सरकार, आईजी को हटाया

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के गुना जिले में देर रात पुलिस और शिकारियों में मुठभेड़ हो गई। इसमें तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। इस मामले में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने निवास पर आपात बैठक के बाद तीनों पुलिसकर्मियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि देने की घोषणा की है। घटनास्थल पर देरी से पहुंचने के लिए ग्वालियर आईजी अनिल शर्मा को हटाने का फैसला किया है।

गुना के आरोन इलाके के जंगल में शनिवार तड़के पुलिसकर्मी काले हिरण के शिकार के मामले में सर्चिंग करने गए थे। यहां शिकारियों ने छिपकर उन पर फायरिंग की। गुना पुलिस का कहना है कि सगा बरखेड़ा की तरफ से बदमाशों के जाने की सूचना मिली थी। इनकी घेराबंदी के लिए 3-4 पुलिस टीम लगाई गई थीं। इसके बाद शहरोक के जंगल में 4-5 बाइक से बदमाश जाते हुए दिखे। पुलिस ने घेराबंदी की तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। शिकारियों के पास से पांच हिरण और एक मोर के अवशेष जब्त किए गए हैं। यह घटना तड़के 4:00 बजे की बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आपात बैठक के बाद कहा कि हमारे पुलिस के मित्रों ने शिकारियों का मुकाबला करते हुए शहादत दी है। इस घटना में दोषी अपराधियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो इतिहास में उदाहरण बनेगी। अपराधियों की पहचान हो गई है। घटना की पूरी जांच हो रही है। घटना में शहादत देने वाले तीनों पुलिस के साथी एसआई राजकुमार जाटव, आरक्षक नीरज भार्गव, आरक्षक संतराम की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी।

मिला शहीद का दर्जा, 1-1 करोड़ की सम्मान निधि और परिवार के सदस्य को सरकारी नौकारी

इन्होंने कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने जीवन को न्यौछावर किया है। उन्हें शहीद का दर्जा देकर 1-1 करोड़ की सम्मान निधि परिवार को दी जाएगी। परिवार के एक सदस्य को शासकीय सेवा में लिया जाएगा। पूरे सम्मान के साथ शहीद पुलिसकर्मियों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। अंतिम संस्कार में जिलों के प्रभारी मंत्री शामिल होंगे। घटना के बाद पहुंचने में देरी करने पर ग्वालियर आईजी को तत्काल हटाने का फैसला किया है। हमला करने वालों में सात शिकारी शामिल थे। उनमें से राघौगढ़ निवासी एक शिकारी नौशाद क्रॉस फायरिंग में मारा गया।

चिंतन शिविर के बीच बढ़ी कांग्रेस की चिंता सुनील जाखड़ ने पार्टी को कहा अलविदा

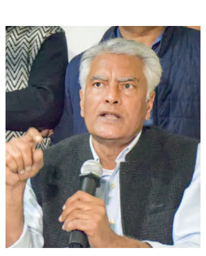

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के नेता सुनील जाखड़ ने दोपहर 12 फेसबुक पर लाइव होकर पार्टी को अलविदा कह दिया। पार्टी छोड़ते समय उन्होंने कहा... Good Luck and goodbye Congress... इससे पहले उन्होंने अपने ट्विटर बायो से कांग्रेस का नाम भी हटा दिया। फेसबुक लाइव के दौरान जाखड़ कांग्रेस नेता अंबिका सोनी पर जमकर बरसे। उन्होंने सोनिया गांधी से भी कई सवाल किए।

जाखड़ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व चापलूसों से घिरा हुआ है। सिर्फइसी वजह से कांग्रेस को नुकसान हो रहा है। उन्होंने पार्टी प्रधान सोनिया गांधी से अपील की कि वह पूरे देश में राजनीति करें लेकिन पंजाब को बख्श दें। कांग्रेस के चिंतन शिविर पर जाखड़ ने कहा कि मुझे कांग्रेस की हालत पर तरस आ रहा है। ये चिंतन शिविर सिर्फ एक फॉर्मेलिटी है, उससे ज्यादा कुछ नहीं। जाखड़ इस दौरान पार्टी नेता अंबिका सोनी पर काफी सख्त नजर आए। उन्होंने कहा कि सोनी ने हिंदुओं को बदनाम किया। उन्होंने कहा कि हिंदू को सीएम न बनाया जाए।

जाखड़ ने अपने खिलाफ जारी कारण बताओ नोटिस के लिए भी पार्टी हाईकमान पर निशाना साधा। जाखड़ ने कहा कि मुझे सभी पदों से निलंबित कर दिया गया लेकिन मेरे पास तो कोई पद ही नहीं था। जाखड़ ने कहा कि वह अपनी विचारधारा पर अडिग हैं। उनका कांग्रेस पार्टी के साथ 50 साल पुराना रिश्ता है। उन्होंने कांग्रेस के अनुशासित कार्यकर्ता के रूप में काम किया है।

चिदंबरम बोले- किसान विरोधी है सरकार, तभी गेहूं निर्यात पर लगाई रोक

उदयपुर (एजेंसी)। केंद्र सरकार के गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के फैसले को कांग्रेस ने किसान विरोधी बताया है। पूर्व वित्तमंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि निर्यात से किसानों को अच्छी कमाई हो सकती थी, परंतु सरकार ऐसा नहीं चाहती। इसी वजह से उसने यह किसान विरोधी कदम उठाया है। चिंतन शिविर के दूसरे दिन पत्रकारों से चर्चा के दौरान चिदंबरम ने कहा कि मुझे लगता है कि केंद्र सरकार पर्याप्त मात्रा में गेहूं खरीद नहीं कर सकी। इसी वजह से उसने निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। गेहूं का उत्पादन कम नहीं हुआ है, बल्कि बढ़ा ही है।

एक महीने की लू ने बिगाड़ा खेल, कैसे गेहूं एक्सपोर्ट का मोदी सरकार का प्लान हुआ फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने वैश्विक खाद्य कमी को दूर करने के लिए दुनिया भर में शिपमेंट भेजने की अपनी नीति को अचानक उलटते हुए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम भीषण गर्मी के कारण विशेष रूप से अनाज उत्पादन में अनुमानित बड़ी गिरावट और घरेलू खाद्य कीमतों में तेज वृद्धि के कारण आया है। भारत के प्रतिबंध से वैश्विक खाद्य कीमतों में तेजी आने की संभावना है, जो यूक्रेन संकट के बाद गेहूं की आपूर्ति में रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गई है।

भारत बड़ी मात्रा में निर्यात की उम्मीद कर रहा था क्योंकि सरकार ने फरवरी में 111 मिलियन टन गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान लगाया था। मार्च के मध्य से एक महीने तक चलने वाली हीटवेव ने इसे सिकोड़ दिया। सरकार को उत्पादन अनुमान में कम से कम 5.7 प्रतिशत यानी 105 मिलियन टन की कटौती करनी पड़ी।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार रात एक अधिसूचना जारी कर ताजा निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत दुनिया को खिलाने के लिए तैयार है। गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। अप्रैल में 6.95 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कम उत्पादन और निजी व्यापारियों द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक पर खरीद के कारण एक दशक का उच्च स्तर है।

अंकुश लगाने की कोई संभावना नहीं

कम उत्पादन ने सरकार पर सब्सिडी वाले अनाज के लिए अनाज की अपनी आवश्यकता को पूरा करने का दबाव डाला है। उत्पादन में अप्रत्याशित गिरावट ने सरकार को गेहूं की खरीद के अपने लक्ष्य को 44 मिलियन टन से घटाकर केवल 19.5 मिलियन टन करने के लिए मजबूर कर दिया है। अभी एक सप्ताह पहले खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने कहा था कि देश में स्टॉक है और उन्हें गेहूं के निर्यात पर अंकुश लगाने की कोई संभावना नहीं दिख रही है।

मुंडका में मौत का तांडव

आने-जाने के लिए सिर्फ एक सीढ़ी, फायर एग्जिट भी नहीं, लापरवाहियों ने जिंदगी में लगाई आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुंडका इलाके में मेट्रो स्टेशन के पास स्थित तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत में शुक्रवार शाम भीषण आग लग गई। हादसे में महिला समेत 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग झुलस गए, जिन्हें ग्रीन कॉरिडोर बनाकर संजय गांधी अस्पताल भेजा गया। मुंडका की जिस इमारत में आग लगी, वहां बिना फायर एनओसी के ही कई दफ्तर चलाए जा रहे थे। कमाल की बात यह है कि बिल्डिंग में एक समय में 100 से अधिक लोग मौजूद रहते थे, लेकिन उसके बावजूद इमारत के मालिक ने वहां आग से बचाव के कोई खास इंतजाम नहीं किए थे। सूत्रों का कहना है कि इमारत में आने और जाने के लिए एक ही जीने का इस्तेमाल किया जाता था। किसी हादसे के समय बचकर निकलने के लिए इमारत में फायर एग्जिट का भी इंतजाम नहीं किया गया था। दमकल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना था कि उनकी प्राथमिकता पहले राहत और बचाव कार्य की है।

बिल्डिंग मालिक ने क्या-क्या लापरवाही की हुई थी, इसकी जांच बाद में की जाएगी। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया हादसे के बाद शुरुआत में दर्जन भर गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। लेकिन जैसे-जैसे आग की भयावता बढ़ती गई, वहां और गाड़ियों को तैनात कर दिया गया।

देर रात तक करीब 30 गाड़ियों पर 125 से अधिक दमकल के जवान वहां काम कर रहे थे। हालांकि 10.50 बजे आग पर काबू पाने के बाद भी वहां कूलिंग का जारी था। इमारत की ऊपरी मंजिलों पर आग रह-रहकर लगे जा रही थी।

अधिकारियों का कहना था कि फिलहाल बिल्डिंग का तापमान बहुत ज्यादा है, जिसकी वजह से अंदर घुसने में दुश्वारियां आ रही हैं। कूलिंग के बाद इमारत को ठंडा करने के बाद ही इमारत की पूरी तरह तलाशी हो पाएगी। देर रात को दमकल विभाग और पुलिस के अलावा आबदा प्रबंधन की टीम भी मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य में जुट गई थी।

सत्येंद्र जैन ने घटनास्थल का जायजा लिया

मुंडका स्थित बिल्डिंग में आग लगने की घटना में निरंतर लोगों की मौत होने की सूचना मिलते ही दिल्ली सरकार में हड़कंप मच गया। यहां देर शाम स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन पहुंचे और उन्होंने साथ वाली बिल्डिंग के अंदर जाकर घटना वाली बिल्डिंग का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम दिल्ली सरकार का राहत कार्य में जुटकर लोगों को बचाने का प्रयास है। इसके बाद इस घटना के होने के बारे में जांच आदि कार्य किए जाएंगे। उन्होंने इस घटना में लोगों की मौत होने पर गहरा दुख व्यक्त किया।

संपादकीय

नई कार्य-संस्कृति

पिछले दो दिन में तीन घटनाएं बिल्कुल अलग-अलग घटीं, लेकिन ये तीनों हमें एक सकारात्मक दिशा में ले जाती हैं। इनमें सबसे ताजा खबर झारखंड की है, जहां वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया और पूछताछ के लिए पांच दिन की रिमांड भी हासिल कर ली है। कुछ ही दिनों पहले जब उनके करीबियों के यहां निदेशालय का छापा पड़ा, तो नोटों की इतनी गड्डियां मिलीं कि उनकी तस्वीरें देखकर पूरे देश ने दांतों तले उंगली दबा ली थी। सिंघल झारखंड की खनन सचिव हैं और छापे की इन खबरों से ही लोग समझ पाए कि इस राज्य की अथाह खनिज संपदा किन्हें समृद्ध कर रही है। झारखंड की इस घटना के साथ एक खबर उत्तर प्रदेश से आई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राज्य के पुलिस महानिदेशक का तबादला कर दिया। उनके खिलाफ आरोप थे- विभागीय कार्यों में रुचि न लेना और अकर्मण्यता। यह शायद पहली बार हुआ है कि किसी इतने बड़े अधिकारी का अकर्मण्यता के आरोप में तबादला किया गया हो। तीसरी खबर भारतीय रेलवे से आई। रेलवे बोर्ड ने एक ही दिन में प्रथम श्रेणी के 19 बड़े अधिकारियों को जबरन रिटायर कर दिया। ये वही अधिकारी हैं, जिन्हें कामकाज की समीक्षा में अक्षम पाया गया था। इन अधिकारियों को पहले ही चेतावनी दे दी गई थी, लेकिन जब बात नहीं बनी, तो उन्हें स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति दे दी गई।

> इन सपनों को जमीन पर उतारने के लिए नौकरशाही को आमूल-चूल ढंग से बदलना ही होगा। इसलिए यह जो बदलाव दिख रहा है, वह बड़ी उम्मीद बंधाता है। हालांकि, सिर्फ दो-तीन अच्छे उदाहरणों से अब काम चलने वाला नहीं है। जरूरी है कि नौकरशाही के सभी स्तरों पर ऐसी एक स्थायी व्यवस्था बने, जो इसे एक नई कार्य-संस्कृति में ढाल दे।

सरकारों द्वारा किए गए ये फैसले हमें हैरत में डाल सकते हैं, लेकिन देश के निजी क्षेत्र में ऐसा नियमित तौर पर ही होता है। कंपनी क्षेत्र में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा की एक पक्की व्यवस्था होती है, लगातार असफल रहने वालों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है, और भ्रष्टाचार को किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाता। यही कारण है कि निजी क्षेत्र की कार्य-कुशलता सरकारी क्षेत्र के मुकाबले हमेशा ही बहुत अच्छी रहती है। सरकारें भी अगर इस कार्य-संस्कृति को अपनाती हैं, तो यह स्वागत-योग्य है। नौकरशाही को हमेशा से भारतीय तंत्र के सबसे अड़ियल हिस्से के तौर पर देखा जाता रहा है। दुनिया भर में धारणा यही है कि भारत में बदलाव की सबसे बड़ी बाधा उसकी नौकरशाही है, जो किसी भी अच्छी नीति को फाइलों और उन पर लगे लाल फीतों में उलझा देने की क्षमता रखती है। उसके पास अधिकार तो बहुत हैं, लेकिन दीर्घकालिक जवाबदेही कुछ भी नहीं। इसमें बदलाव के लिए देश में दो बार प्रशासनिक सुधार आयोग भी बने, लेकिन उनकी ज्यादातर सिफारिशों को उन फाइलों के हवाले कर दिया गया, जो आज तक धूल फांक रही हैं। यह बात सही है कि कंप्यूटर और सूचना तकनीक के आगमन से प्रशासन के तौर-तरीकों में बहुत सारी चीजें बदली भी हैं, मगर सच्चाई यही है कि नौकरशाही पर अभी भी पूरी तरह से लगाम नहीं लग सकी है। एक बात तय है कि देश के महाशक्ति बनने के नए सपने और नौकरशाही के पुराने तौर-तरीके, दोनों चीजें एक साथ नहीं चल सकतीं। इन सपनों को जमीन पर उतारने के लिए नौकरशाही को आमूल-चूल ढंग से बदलना ही होगा। इसलिए यह जो बदलाव दिख रहा है, वह बड़ी उम्मीद बंधाता है। हालांकि, सिर्फ दो-तीन अच्छे उदाहरणों से अब काम चलने वाला नहीं है। जरूरी है कि नौकरशाही के सभी स्तरों पर ऐसी एक स्थायी व्यवस्था बने, जो इसे एक नई कार्य-संस्कृति में ढाल दे।

प्रचार-तंत्र की महिमा है

फर्डिनैंड मार्कोस को फिलीपीन्स के एक क्रूर तानाशाह के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने 1965 से 1986 तक देश पर राज किया था। राष्ट्रपति निर्वाचित होने के सात साल बाद उन्होंने देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। कुल मिला कर उनके शासनकाल को देश के धन की लूट और मानव अधिकारों के खुलेआम उल्लंघन के लिए याद किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक उस दौरान मानव अधिकार हनन की 11 हजार से ज्यादा घटनाएं हुईं। 1983 में जब विपक्ष के नेता बेग्निनो एक्वीनो की स्वदेश लौटते ही हवाई अड्डे पर गोली मार कर हत्या कर दी गई, तो आखिर उनके खिलाफ जन विद्रोह भड़का था। मार्कोस के बेटे फर्डिनैंड मार्कोस जूनियर 1986 में 26 साल के थे, जब जन विद्रोह के कारण उनके पिता को अपने परिजनों से साथ देश से भागना पड़ा था। तब मार्कोस परिवार ने अमेरिकी राज्य हवाई में जाकर पनाह ली थी, जहां वे तीन साल रहे। 1991 में मार्कोस परिवार फिलीपीन्स लौटा था। अब उसी देश की जनता ने मार्कोस जूनियर को भारी बहुमत से देश के राष्ट्रपति पद पर बैठाने का फैसला किया है।

> पुलिस बल में जब समानता की स्थिति होगी, तो महिलाएं भी ज्यादा संख्या में उसमें शामिल होंगी। जाहिर है, महिलाएं उन क्षेत्रों में ज्यादा जाती हैं, जहां उनका स्वागत होता है। बिहार एक प्रमाण है, परंपराओं से बंधे हुए इस राज्य में जब महिलाओं को सामूहिक रूप से पुलिस बल में शामिल होने का मौका मिला है, तो वे अपनी इच्छा से आगे आई हैं।

मजा दारूवाला, वरिष्ठ सलाहकार, सीएचआरआई

पुलिस में अपनी मंजिल से दूर महिलाएं

हाल ही में उत्तर प्रदेश ने राज्य के पुलिस बल में महिलाओं की संख्या को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिस भर्ती अभियान की घोषणा की है। साल 2013 में ही केंद्र सरकार ने राज्यों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी थी कि हर पुलिस स्टेशन में कम से कम 10 महिला कांस्टेबल और तीन सब-इंस्पेक्टर की तैनाती होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर्रि ्त्ररयों के अनुपात का नीतिगत बेंचमार्क 33 प्रतिशत है, मतलब देश में कुल पुलिसकर्मियों में महिलाएं 33 प्रतिशत होनी चाहिए। गौर करने की बात यह है कि बिहार में 2010 में पुलिस बल में दो प्रतिशत से भी कम महिलाएं थीं, मगर 2019 तक 25.3 प्रतिशत हो गईं, यहां पुलिस में महिलाओं की हिस्सेदारी में सबसे तेज वृद्धि देखी गई।

ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट (बीपीआरऐंडडी) के अनुसार, देश में अभी भी ऐसे राज्य हैं, जहां चार प्रतिशत महिला पुलिसकर्मी भी नहीं हैं। तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य में न्यूनतम 3.31 प्रतिशत महिलाएं पुलिस बल में थीं। सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि पुलिस लिंगानुपात में बिहार अभी सबसे बेहतर स्थिति में है। भारत को महिला पुलिसकर्मियों के मामले में साल 2010 में 4.25 प्रतिशत से बढ़कर 2021 में 10.49 प्रतिशत से ऊपर जाने में एक दशक से अधिक का समय लग गया है। इसके उलट, मलेशिया और चीन में क्रमश: 18 एवं 14 प्रतिशत महिला पुलिसकर्मी हैं। इंग्लैंड में 33 प्रतिशत से अधिक महिला पुलिसकर्मी होने का दावा किया जा सकता है।

ऐसा नहीं कि पुलिस बल में रिक्तियां नहीं हैं, राष्ट्रीय औसत लगभग 21.4 प्रतिशत है, पर आम चलन यही है कि किसी भर्ती में महिलाओं की बहाली एक तिहाई से अधिक न हो। इस दर से, जैसा कि 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2020' बताती है, बिहार को 33 प्रतिशत महिला पुलिसकर्मियों तक पहुंचने में तीन और साल लगेंगे, जबकि मध्य प्रदेश जैसे राज्य को 180 साल लग जाएंगे। भर्ती में कांस्टेबल स्तर की रिक्तियों को भरने पर जोर दिया जाता है, जबकि मुख्य जांच व पर्यवेक्षी भूमिकाएं पुरुषों के लिए बनी रहती हैं। नतीजतन,ि ्त्ररयां खुद को निम्न श्रेणी में समूहबद्ध पाती हैं। जिन राज्यों में महिला पुलिसकर्मियों का प्रतिशत सर्वाधिक है, जैसे बिहार एवं हिमाचल प्रदेश, वहां भी अधिकारी स्तर पर सिर्फ छह और पांच प्रतिशत महिलाएं हैं।

फिर भी पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाने का इरादा स्वागतयोग्य है। साल 2015 और 2020 के बीच, महिला पुलिसकर्मी के मामले में तमिलनाडु 13 से 19 प्रतिशत, गुजरात चार से 16 प्रतिशत व तेलंगाना तीन से आठ प्रतिशत पर पहुंच गया। अन्य राज्य पिछड़ गए या फिर स्थिर पाए गए, जैसे मिजोरम (6.8 से सात प्रतिशत), सिक्किम (आठ से 8.4 प्रतिशत), और ओडिशा (8.8 फीसदी से 9.1 प्रतिशत)।

सामान्य रूप से यह बहाना बनाया जाता है कि महिलाएं अपनी शारीरिक और मानसिक दृढ़ता की कमी का हवाला देते हुए पुलिस में शामिल होने के लिए तैयार नहीं होती हैं। खतरनाक कार्रवाई और शारीरिक कौशल पर कई बार ज्यादा निर्भरता के बावजूद वास्तव में पुलिस के जिम्मे बहुत सारे ऐसे कार्य होते हैं, जिनमें अधिक दिमाग के इस्तेमाल की जरूरत पड़ती है।

पुलिस में रोजमर्रा के अधिकांश कार्यों में स्थानीय समुदायों के साथ संवाद, शिकायत निवारण, सुलह, समस्या समाधान, गश्त, अपराध रोकथाम, यातायात नियमन, गंभीर अपराध दर्ज करना, सुबूत जुटाना, रिकॉर्ड रखना और अदालत में पेश करना शामिल है। इन सभी कार्यों के लिए कुशल बुद्धि, संवाद कौशल और ज्ञान की जरूरत पड़ती है। पुलिस को सड़कों पर नागरिकों के साथ लड़ाई में भाग लेने या हर दिन सशस्त्र लुटेरों को रोकने की जरूरत नहीं है। इन हालात में भी महिलाएं बहादुरी से खुद को बरी करती नजर आ रही हैं। केरल के पूर्व पुलिस महानिदेशक जैकब पुन्नूस का कहना है, 'महिलाओं को पुलिस में जितनी नौकरी चाहिए, उससे कहीं अधिक अच्छी पुलिसिंग के लिए पुलिस बल में महिलाओं की जरूरत है।' यह सच है।

फिर भी पुलिस बल में महिलाओं को ज्यादा संख्या में शामिल करने के लिए संस्थागत तैयारियों का अभाव है। अलग शौचालय की व्यवस्था, काम के उचित घंटे, और फ्लेक्सी-टाइम (सिर्फ महिलाओं के लिए नहीं) देने की अनिच्छा से लेकर, आदेशों को स्वीकार करने तक और गहन पितृ-सत्तात्मक प्रतिरोध तक अनेक समस्याएं हैं, जिन्हें दूर करना चाहिए। यौन उत्पीड़न समितियों और सख्त आदेशों के माध्यम से कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम नहीं होना पुलिस के लिए भी एक गंभीर मुद्दा है। पुलिस बल में किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए शून्य सहनशीलता की नीति होनी चाहिए। ध्यान रहे, यहां बदमाशी और उत्पीड़न के मामले कम रिपोर्ट किए जाते हैं।

2019 की पुलिसिंग रिपोर्ट की स्थिति पर आधारित एक सर्वेक्षण में एक चौथाई पुलिसकर्मियों ने कहा कि उनके थाने/क्षेत्राधिकार में कोई यौन उत्पीड़न समिति नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में पुलिस बल में महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रह उच्चतम स्तर पर है, यानी इन राज्यों में कर्मियों के यह मानने की सबसे अधिक आशंका है कि महिला पुलिसकर्मी कम कुशल होती हैं और उन्हें अपने व घर पर ध्यान देना चाहिए। संस्थागत आवास की कमी भी उन्हें सामाजिक रूप से ज्यादा परेशान करती है। दूसरों को सुरक्षा देने से पहले महिलाओं को अपने पेशेवर परिवेश में सुरक्षित और सम्मानित महसूस करने में सक्षम बनाना होगा। पुलिस बल की छवि भले आकर्षक न हो, लेकिन रोजगार की जरूरत और बेहतर जीवन के अवसरों की स्वाभाविक महत्वाकांक्षा अक्सर इस पर हावी हो जाती है।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा को कम करने के लिए भी महिला पुलिसकर्मियों की बड़ी जरूरत है। पुलिस बल में जब समानता की स्थिति होगी, तो महिलाएं भी ज्यादा संख्या में उसमें शामिल होंगी। जाहिर है, महिलाएं उन क्षेत्रों में ज्यादा जाती हैं, जहां उनका स्वागत होता है। बिहार एक प्रमाण है, परंपराओं से बंधे हुए इस राज्य में जब महिलाओं को सामूहिक रूप से पुलिस बल में शामिल होने का मौका मिला है, तो वे अपनी इच्छा से आगे आई हैं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

संजीव राय, शिक्षाविद्

तोपों और वमों के भयानक शोर में कौन सुनेगा बच्चों की पुकार

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुए 78 दिन बीत चुके हैं। मई के दूसरे सप्ताह में यूक्रेन के एक स्कूल पर रूसी हवाई हमले में 60 से अधिक के मारे जाने की आशंका है। ऐसा कहा जा रहा है कि आम लोग अपनी जान बचाने के लिए इस स्कूल में शरण लिए हुए थे। संयुक्त राष्ट्र के घोषणापत्र के अनुसार, युद्ध में स्कूलों व अस्पतालों पर हमला बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन है, लेकिन दुनिया भर के आम अवाम और बच्चों के अधिकारों के लिए कार्य करने वाली संस्थाओं की युद्ध रोकने की अपील अभी तक बेअसर रही है। यूक्रेन के आधे से अधिक बच्चे जान बचाने के लिए घर छोड़ चुके हैं। 58 लाख से अधिक नागरिक पोलैंड, रोमानिया, स्लोवाकिया, हंगरी, मॉल्डोवा जैसे पड़ोसी देशों में शरणार्थी बन चुके हैं। इस युद्ध में अब तक सैकड़ों बच्चे मारे जा चुके हैं, तो हजारों इसके चलते अनाथ हो चुके हैं, लेकिन तोप और बम की आवाज के आगे बच्चों की आवाज कौन सुनेगा? पूर्वी यूक्रेन में स्कूल ही ज्यादा निशाना बनाए जाते रहे हैं। चार लाख से ज्यादा बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ा है और 700 से ज्यादा स्कूल बंद करने पड़े हैं।

सेव द चिल्ड्रन की एक रिपोर्ट 'स्टॉप द वॉर ऑन चिल्ड्रेन' बताती है कि 2020 में दुनिया में लगभग 45 करोड़ से अधिक बच्चे युद्ध जैसे हालात वाले देशों में रह रहे थे। ऐसे बच्चों की संख्या में साल 2019 के मुकाबले 2020 में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई थी, लेकिन अब रूस-यूक्रेन के युद्ध से यह संख्या और बढ़ गई है। युद्ध की स्थिति में सिर्फ बच्चों की हत्या, उनके अनाथ हो जाने का भय और मानसिक आघात जैसी चिंताएं ही नहीं रहतीं, बल्कि उनके साथ यौन शोषण और युद्धरत समूहों द्वारा बच्चों की जबरन भर्ती की भी आशंका रहती है। निश्चित रूप से युद्धरत समूहों द्वारा भर्ती किए जाने वालों में लड़कों की संख्या अधिक रहती है, लेकिन लड़कियों की भी भर्ती की जाती है। एक अनुमान के अनुसार, अभी लड़के और लड़कियों का इन गिरोहों में प्रतिशत क्रमश: 85 और 15 है। वैसे युद्धरत समूहों में भर्ती लड़कियों के बारे में सूचनाएं कम मिल पाती हैं। अप्रैल 2014 में नाइजीरिया के चिबोक से बोको हराम नमक संगठन ने 276 लड़कियों का अपहरण कर लिया था। इसमें से कुछ लड़कियां भाग आई थीं, कुछ का पता नहीं चला और उनमें से कुछ लड़कियों से बोको हराम के लड़ाकों ने जबरदस्ती शादी कर ली।

वैसे तो सोमालिया, नाइजीरिया, दक्षिण सूडान से लेकर म्यांमार तक बच्चों का प्रत्यक्ष-परोक्ष इस्तेमाल युद्ध में शामिल गिरोह करते रहे हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने अपने एक अध्ययन में पाया कि साल 2019 में जहां 7,800 बच्चे युद्धरत समूहों द्वारा भर्ती किए गए थे, वहीं 2020 में यह संख्या 8,600 तक पहुंच गई थी। नेपाल, श्रीलंका और भारत में भी कुछ विद्रोही गिरोह कई बार कम उम्र के लड़कों को बंदूक थमा देते हैं। कश्मीर में भी लड़कों को पत्थर फेंकने के लिए उकसाया जाता है। अफगानिस्तान, सीरिया, यमन के अलावा 30-35 देशों में हथियारबंद गिरोह बच्चों का इस्तेमाल करते हैं।

युद्धरत समूह और निजी सेना के कमांडर पहले बच्चों को जासूसी, निगरानी करने वाले, सामान ढोने वाले या खाना बनाने के काम में इस्तेमाल करते थे, लेकिन आधुनिक हथियारों की तकनीक में आए बदलाव ने युद्ध क्षेत्र में बच्चों की भूमिका को बदल दिया है। कुछ स्थितियों में गरीब बच्चों के पास भर्ती होने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है। बच्चों को अपनी सेना में रखना इन लड़ाकू गिरोहों के लिए आर्थिक रूप से भी फायदेमंद होता है, क्योंकि उनकी जरूरतें कम होती हैं।

स्कूलों पर हवाई हमले, स्कूलों के भीतर हमले, स्कूलों को निशाना बनाते हुए बमबारी और गोलीबारी की घटनाएं 21वीं सदी का एक पक्ष रखती हैं। इस सदी की शुरुआत में दुनिया भर के नेताओं ने सदी के विकास के कुछ लक्ष्य तय किए और सबके लिए शिक्षा के मुद्दे पर अपनी प्रतिबद्धता जताई थी। अनेक देशों में शिक्षा के अधिकार का कानून बना और करोड़ों बच्चों को स्कूल मुहैया कराए गए, लेकिन दो दशक में हम इस लक्ष्य को लेकर कहां पहुंचे हैं?

बच्चों के लिए सीरिया के एक शिक्षक ने अपने वक्तव्य में जो चिंता व्यक्त की थी, वह गंभीर विमर्श की मांग करती है। उन्होंने कहा था कि आज हमारे बच्चे अपने पाठ्यक्रमों के विषयों से अधिक हथियारों के बारे में जान रहे हैं। क्या दुनिया भर के नेताओं को एक बार फिर मिलकर व्यापक युद्ध-विराम के लिए प्रयास नहीं करना चाहिए? अगर हमारे बच्चे मानवीय मूल्यों से अधिक प्रतिशोध से भरे रहेंगे और हथियारों का पाठ पढ़ने को मजबूर होंगे, तब हमारा भविष्य कैसा होगा? युद्ध में बच गए किसी बच्चे की तस्वीर देखकर हम इस विभीषिका का अनुमान लगा सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

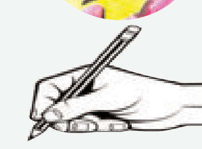

जागते हुए सोते हुए
अब तो अपने पर
तरस खाओ, परिचय
अपना जानो फिर
आगे जिंदगी का
सफर तय करो।

-अंजली जैन
7024460938

डॉ. सुधीर सक्सेना

प्रशांत महालनोबीस : सांख्यिकी आंदोलन के जनक

किसे ज्ञात है कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की आधुनिक भारत के निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना में प्रशांतचंद्र महालनोबीस की महती भूमिका थी। प्रशांतचंद्र सांख्यिकी विद् थें, भारतीय सांख्यिकी संस्थान के संस्थापक। पं. नेहरू की भांति वे भी स्वप्नदृष्टा थे। वे न होते तो देश सार्वजनिक क्षेत्र के नेतृत्व में सुनियोजित विकास के मार्ग पर यूं अग्रसर न हो पाता। स्वतंत्र भारत की द्वितीय पंचवर्षीय योजना महालनोबीस मॉडेल पर ही आधारित थी। वे भारत में सांख्यिकी आंदोलन के जनक थे। भारत में सांख्यिकी तंत्र के विकास का संपूर्ण श्रेय उन्हें जाता है। केंद्रीय सांख्यिकी संगठन, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण, प्रांतों में सांख्यिकी ब्यूरो और केंद्रीय योजना आयोग में सांख्यिकी विभाग की स्थापना में उनकी नाभिकीय भूमिका रही। उन्हीं की प्रेरणा और प्रयासों से भारत में सांख्यिकी तंत्र विकसित हो सका। देश में सांख्यिकी के सौध के वे वास्तुकार थे, राष्ट्रहित को समर्पित निस्पृह वास्तुकार।

कौन थे प्रशांतचंद्र महालनोबीस? हममें से कितने उन्हें जानते हैं? कितने उन्हें याद करते हैं? कितनों को भारत की प्रगति में उनके योगदान का भान है? आंकड़े ना होते तो योजनाओं के ढांचे भी खड़े न होते। सांख्यिकी के अभाव में हमारी गणना भला कैसे सिरे चढ़ती? इन प्रश्नों का उत्तर भी महालनोबीस को जाता है।

19वीं सदी का अवसान काल। वर्ष 1893। ब्रिटिश इंडिया की राजधानी कलकत्ते में प्रतिनिधि महालनोबीस-परिवार में 29 जून को जनमे प्रशांत के परिवार की पृष्ठभूमि अत्यंत समृद्ध थी। पिता प्रशांतचंद्र महालनोबीस (1869-1942) संपन्न व्यवसायी थे। मां श्रीमती नीरोदवासिनी विदुषी महिला थीं। मामा नीलरतन सरकार की गिनती अपने समय के ख्यातनाम चिकित्सकों, उद्योगपतियों और शिक्षाविदों में होती थी। दादा गुरुचरण महालनोबीस (1833-1916) ब्रह्मो समाज के सक्रिय सदस्य थे। वे अलीक समाज सुधारक थे। उनकी कथनी के बजाय करनी पर निष्ठा थी। अतः उन्होंने परिवार और समाज के सदस्यों के विरोध की अवज्ञा कर सन् 1864 में एक विधवा से विवाह किया था। महालनोबीस परिवार और जोड़ासांको के ठाकुर परिवार में घनिष्ठ संबंध थे। रवीन्द्रनाथ ठाकुर (टैगोर) के पिता देवेन्द्रनाथ (1817-1905) ही गुरुचरण को ब्रह्मसमाज में लेकर आये थे। यूं तो रवीन्द्रनाथ प्रशांत से 32 साल बड़े थे, किन्तु दोनों में बहुत अंतरंग संबंध थे। प्रशांत का परिचय तो रवीन्द्रनाथ से था, किन्तु दोनों में संबंध प्रगाढ़ सन् 1910 में तब हुए जब प्रशांत सन् 1910 में छुट्टियां बिताने शांति निकेतन आए। प्रशांत की विद्वत्ता और विवेक से रवीन्द्रनाथ के मन में उनके प्रति सम्मान जागा। सन् 1913 में रवीन्द्र बाबू को साहित्य के लिए नोबेल सम्मान मिला। युवा प्रशांत ने रविबाबू की कृतियों का एक समालोचना लिखी। बुद्धदेव बसु ने उसे छापा।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जन हानि के 40 प्रकरणों पर 1.60 करोड़ रूपए की सहायता राशि स्वीकृत

रायपुर। प्राकृतिक आपदा के फ्लस्वरूप जन हानि के प्रकरणों में त्वरित आर्थक सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। सरगुजा जिले में जनहानि के प्रकरणों पर एक करोड़ 60 लाख रूपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जिले में प्राकृतिक आपदा से हुई जनहानि के प्रकरणों में 17 प्रकरण पानी में डूबने, 13 प्रकरण सर्पदंश, 04 प्रकरण आकाशीय बिजली से हुई जनहानि के प्रकरण है। इसके अलावा 03 प्रकरण आग लगने, 02 प्रकरण मिट्टी से दबने और एक प्रकरण मधुमक्खी के काटने से मृत्यु शामिल है। जिला प्रशासन द्वारा जन हानि के कुल 40 प्रकरणों में संबंधित परिवारों के निकटतम वारिसानों को 4-4 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है।

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा

जगदलपुर। आगामी विधानसभा चुनाव में कोई कसर बाकी न रह जाए, इसकी तैयारियों में जुटी भाजपा ने अपने सांगठनिक ढांचे को मजबूत बनाना शुरू कर दिया है। प्रदेश भाजपा के आव्हान पर कुशाभाऊ ठाकरे कार्य विस्तार योजना के तहत् जगदलपुर मण्डल के सदर वार्ड बूथ क्रमांक 129 में भारतीय जनता पार्टी के प्रभारी विस्तारक के तौर पर भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक संतोष बाफ्ना ने बैठक आयोजित कर सर्वप्रथम भारतमाता के तैल चित्र पर चंदन तिलक लगाकर पूजा अर्चना करके पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी की आगामी कार्य योजनाओं एवं प्रदेश से मिले निर्देशों पर चर्चा कर गहन विचार मंथन किया गया। बाफ्ना ने इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती के मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि, कार्यकर्ता पूरे विधानसभा क्षेत्र की चिंता छोड़कर केवल अपने बूथ पर डट जाए। और अपने बूथ का ऐसा कोई घर न छूटे जहां भाजपा कार्यकर्ता ने अपनी दस्तक न दी हो। इस अवसर पर बैठक में मुख्य रूप से सह विस्तारक राकेश तिवारी, सह प्रभारी किशोर महावर, साइबर विस्तारक सूरज मिश्रा, वेदांत दीक्षित, पोलिंग बूथ अध्यक्ष अनिमेष सिंह चौहान, जितेन्द्र गुप्ता एव वार्ड की टीम सहित अन्य वार्डवासी भी उपस्थित रहे।

राज्य सरकार का आम जनता के हित में एक और महत्वपूर्ण कदम... छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता के प्रावधानों में किया गया संशोधन

मुख्यमंत्री की पहल पर नामांतरण प्रक्रिया को बनाया गया सरल एवं समयबद्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर नामांतरण की प्रक्रिया को सरल एवं समयबद्ध बनाया गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता के प्रावधानों में संशोधन किए गए हैं। संशोधन के अनुसार अब नामांतरण का आवेदन प्राप्त होने के 07 दिवस के भीतर पटवारी जांच प्रतिवेदन संलग्न कर ई-नामांतरण पोर्टल के माध्यम से प्रतिवेदन अग्रेषित करेंगे।

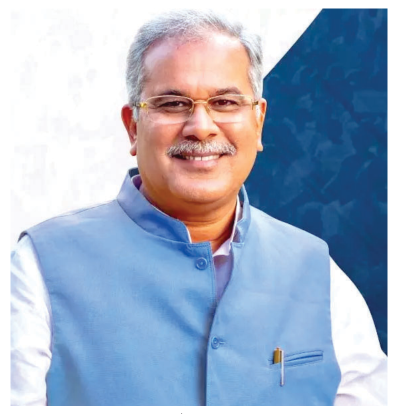

पटवारी द्वारा विलंब किए जाने पर प्रकरण स्वत: अग्रेषित हो जाएगा। हितग्राहियों को नामांतरण प्रक्रिया के दौरान एसएमएस से सूचना भेजी जाएगी। तहसीलदार द्वारा पक्षकारों को सूचना जारी करने तथा दावा आपत्ति आमंत्रित करने के लिए भी समय-सीमा निर्धारित कर दी गई है। इसी प्रकार अविवादित नामांतरण के प्रकरण का निर्धारित समयावधि में निराकरण नहीं होने पर संबंधितों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे।

वर्तमान में किए गए संशोधन के अनुसार, नियमों में भूमि स्वामी को पंजीयन के समय ही नामांतरण के विषय में ग्राम पंचायत या तहसील कार्यालय का विकल्प दिया गया है। भूमि स्वामियों को एसएमएस के माध्यम से उनके मोबाइल फोन पर सूचना भी प्रदान किया जाएगा। पंजीयन के तत्काल बाद, इसकी सूचना तत्क्षण संबंधित हल्का पटवारी राजस्व निरीक्षक और तहसीलदार की ऑनलाइन आईडी में भेज दिया जाएगा। इस सूचना पर पटवारी के द्वारा सात दिवस के भीतर जांच प्रतिवेदन संलग्न कर इसे अग्रेषित किया जाएगा। पटवारी द्वारा विलंब किए जाने पर प्रकरण स्वत: अग्रेषित भी हो सकेगा। तहसीलदार द्वारा आम सूचना हेतु इश्तहार प्रकाशित किया जाएगा, जिससे 15 दिवस के भीतर दावा आपत्ति प्रस्तुत किए जा सकेंगे। तत्पश्चात आदेश पारित किया जाएगा, जिसके पालन में बी-वन, खसरा, नक्शा एवं किसान किताब को अद्यतन करके सत्यापित किया जाएगा। इसकी सूचना भी हितग्राही को एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्रावधानित समय सीमा से बाहर होने पर, उक्त प्रकरण की सूचना हितग्राही को और पीठासीन अधिकारी को एसएमएस के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। इस विषय में राज्य सरकार ने सभी संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर को आवश्यक निर्देश भी प्रसारित किए हैं। नामांतरण के प्रकरणों की प्रत्येक सप्ताह समीक्षा की जाएगी। राजस्व पखवाड़ा का आयोजन कर के हितग्राहियों को अद्यतन अभिलेख की प्रति प्रदान की जा सकेगी। गिरदावरी के समय राजस्व अभिलेख को ग्राम वार पढ़कर सुनाया भी जाएगा। नामांतरण की प्रक्रिया को सरल एवं समयबद्ध करने की दिशा में राज्य शासन द्वारा यह महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता के तहत भूमि स्वामियों को अपनी भूमि का खरीद बिक्री आदि के माध्यम से अंतरण करने का अधिकार है। संयुक्त परिवार के विभाजन के फ्ल स्वरुप भी स्वामित्व में परिवर्तन होता है। भूमि स्वामी द्वारा भविष्य में होने वाले पारिवारिक विवाद के निराकरण हेतु भी अपने जीवन काल में ही बटवारा भी किया जाता है। भूमिस्वामी की मृत्यु होने पर भी अभिलेख में सुधार की जरूरत होती है। इन समस्त परिस्थितियों में भूमि से संबंधित राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करना आवश्यक होता है। राज्य की इस जिम्मेदारी के प्रति राजस्व विभाग संवेदनशील है, यद्यपि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत राजस्व विभाग के कुछ सेवाओं को अधिसूचित किया गया है, किंतु इसके बावजूद भूमि स्वामियों के भूमि अंतरण संबंधित सेवाओं में समय सीमा के भीतर कई बार कार्यवाही नहीं होती है। इसे ध्यान में रखते हुए नामांतरण के नियमों में संशोधन की आवश्यकता महसूस की गई।

आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन में श्रम विभाग को जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए मिला पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली में आयोजित आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन में श्रम विभाग को श्रमिकों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित करने के लिए आत्मनिर्भर भारत समिट में राजभवन के सचिव और श्रम विभाग के सचिव अमृत कुमार खलखो को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। खलखो ने आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन में छत्तीसगढ़ में किए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर अपनी बात रखी। साथ ही भविष्य में छत्तीसगढ़ की योजनाओं को लेकर भी अपने अनुभव साझा किए।

आत्म निर्भर भारत सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में हुआ, जिसमें भारत सरकार के सचिव यू.पी. सिंह, केंद्र सरकार एडिशनल सेक्रेटरी संजय जाजू, ज्वाइंट सेक्रेटरी बी. पुरूषार्थ, सी.ई.ओ. डॉ. अभिषेक सिंह, एन.आई.सी. की डायरेक्टर जनरल श्रीमती नीता वर्मा, इलेट्स समूह के सी.ई.ओ. डॉ रवि गुप्ता समेत देशभर के कई राज्यों से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे। खलखो ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से श्रमिकों के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे है, जिसमें संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिक आवश्यक न्यूनतम दस्तावेजों के साथ पोर्टल में स्वयं को पंजीकृत कर सकते हैं। इनके लिए एकीकृत श्रम पंजीकरण प्रणाली लागू की गई है। पी.डी.एस. डाटाबेस का उपयोग करके श्रमिक पंजीकरण का कार्य किया गया। श्रम विभाग की अधिकांश सेवाएं लोक सेवा अधिनियम के अंतर्गत आती हैं और एक निर्धारित समय के भीतर प्रदान की जाती हैं। विभाग द्वारा प्रवासी श्रमिक पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। पहले इसे ऑफ्लाइन किया जा रहा था लेकिन अब इसे ऑनलाईन भी किया गया है। 148 ब्लॉकों में श्रम संसाधन केंद्र खोले गए हैं।

मातृत्व लाभ और सामाजिक योजनाओं और उसके लाभों के बारे में श्रमिकों के बीच जागरूकता लाई जा रही है। महिला प्रवासी कामगारों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में मदद की जा रही है। बच्चों को उचित औपचारिक शिक्षा देने के लिए श्रम मित्र योजना और शैक्षणिक छात्रवृति योजना चालू की गई है। मजदूरों को उनके कानूनी अधिकारों और सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए हेल्पलाईन के माध्यम से सहायता दी जा रही है। इलेट्स समूह द्वारा आयोजन कमेटी की ओर से मयंक ठाकुर ने श्रम विभाग के सचिव अमृत खलखो से मुलाकात कर यह प्रशस्ति पत्र आज भेंट किया।

कलेक्टर ने की जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर इफ्फ्त आरा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में चल रहे निर्माण कार्यों एवं जिले के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा की गई घोषणा एवं दिए गए निर्देश के संबंध में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग, जल संसाधन विभाग, सेतु, गृह निर्माण मंडल, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं राष्ट्रीय राजमार्ग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सड़क, पुल पुलिया, भवन निर्माण के कार्य विभाग के चल रहे पूर्ण, अपूर्ण, प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ली तथा गुणवत्तापूर्ण कार्य कर समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कार्य प्रारंभ नहीं हुए हैं उनका टेंडर प्रक्रिया की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। जहां रोड खराब है उन्हें बरसात से पूर्व तक सही करने कहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री प्रवास के दौरान किए गए निर्माण कार्यों की घोषणा के स्थल का चयन कर प्रपोजल एवं एस्टीमेट बनाकर शासन को समय अवधि में भेजने सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नेशनल हाईवे 43 के निर्माण कार्यों की जानकारी ली तथा जिन स्थलों के लिए मुआवजा राशि वितरण किया जाना है समय अवधि में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ओडगी से बिहारपुर तक प्रधानमंत्री सड़क योजना अंतर्गत बनाए जा रहे है।

कृषि मंत्री चौबे ने बेमेतरा में किया सी-मार्ट का शुभारंभ

सुपर बाजार के तर्ज पर सी-मार्ट शुरु, ग्रामीण स्तर के देशी प्रॉडक्ट को शहरों में मिलेगा बड़ा बाजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि एवं जलसंसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने आज बेमेतरा जिला मुख्यालय में सी-मार्ट का शुभारंभ मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनकी पूजा-अर्चना से किया। मंत्री चौबे ने इस अवसर पर बेमेतरा जिले के लोगों को विशेषकर स्व-सहायता समूह की बहनों बधाई और शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा के अनुरूप महिला समूहों के उत्पाद के मार्केटिंग के लिए प्रथम चरण में जिला मुख्यालयों में सी-मार्ट खोले जा रहे हैं, ताकि समूहों के उच्च गुणवत्ता के वाजिब दाम पर लोगों को उपलब्ध हो सके। अब प्रदेश एवं जिले में महिला समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे प्रोडक्ट सी-मार्ट में विक्रय हेतु उपलब्ध होंगे।

मंत्री चौबे ने सी-मार्ट का शुभारंभ करने के बाद वहां प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए महिला समूहों के उत्पादों का अवलोकन किया। इसके पश्चात उन्होंने एकता महिला स्व-सहायता समूह चारभाटा बेमेतरा द्वारा संचालित गढ़कलेवा में बनाये गये छत्तीगढ़ी व्यंजन चिला, फरा, ठेठरी, चौसेला को चखा और इसकी सराहना कर स्व-सहायता समूह की महिलाओं को शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर संसदीय सचिव एवं विधायक नवागढ़ गुरुदयाल सिंह बंजारे, विधायक बेमेतरा आशीष छाबड़ा, कलेक्टर बेमेतरा विलास भोसकर संदीपान, पुलिस अधीक्षक धर्मेंन्द्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती लीना मण्डावी, नगर पालिका अध्यक्ष बेमेतरा शकुंतला मंगत साहू, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दुर्गेश कुमार वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी बेमेतरा होरी सिंह ठाकुर सहित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों को उनके हाथों से बनाए गए उत्पादों के लिए संगठित बाजार उपलब्ध कराने पूरे प्रदेश में सी-मार्ट स्टोर्स शुरू किए जा रहे है।

इससे महिला समूहों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने में मदद मिलेगी। सी-मार्ट स्टोर में महिला समूहों द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के हर्बल साबुन, आचार, मसाले, मुर्रा, दोना-पत्तल, काजु, विभिन्न प्रकार के शर्बत, देवभोग के डेयरी प्रोडक्ट, कोरिया की हर्बल चाय, लेमन ग्रास चाय, विभिन्न ऑइल से लेकर डिशवॉशर, टायलेट फ्लोर क्लीनर, मशरूम पाउडर, शहद, तेल-गुड़, देसी चना, लाल चॉवल का पोहा, चॉवल का आटा से लेकर बेसन तिखुर और दूसरी स्थानीय खाद्य सामाग्रियां भी लोगों के लिए उपलब्ध है।

इसके अलावा हर्बल प्रोडक्ट ईमली, हर्रा, बहेड़ा, आंवला, शहद जैसे वन उत्पाद की बिक्री की जा रही है। सी-मार्ट से हैंडलूम पर बने गमछे और अन्य आकर्षक सूती कपड़े भी खरीदे जा सकते है। इसके अलावा बेमेतरा जिले के ग्राम राखी में उत्पादित केला तना के रेशा से निर्मित हस्तशिल्प एवं हथकरधा से बने उत्पाद का भी विक्रय किया जायेगा।

आरडीए संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न

सेन्ट्रल बैंक ऋण का भुगतान करने वन टाईम सेटलमेंट करेगा आरडीए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण की कमल विहार योजना के ऋण की अदायगी के लिए सेन्ट्रल बैंक ऑफइंडिया से वन टाईम सेटलमेंट किए जाने को संचालक मंडल की बैठक में आज स्वीकृति दी गई। इसके अंतर्गत प्राधिकरण व्दारा 600 करोड़ रुपए के ऋण की अदायगी के अंतर्गत शेष राशि रुपए 334.30 करोड़ का भुगतान 18 माह में करेगा।

इस संबंध में प्राधिकरण की अध्यक्ष सुभाष धुप्पड़, मुख्य कार्यपालन अधिकारी चन्द्रकांत वर्मा ने गत दिनों सेन्ट्रल बैंक के एम.डी. व सीईओ एम.वी. राव के रायपुर प्रवास के दौरान चर्चा की थी। बैंक व्दारा प्राधिकरण का खाता एनपीए करने के बाद अब प्राधिकरण व्दारा वन टाईम सेटलमेंट का प्रस्ताव दिए जाने तथा 25 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान करने के बाद ऋण शोधन अधिकरण (डीबीटी) जबलपुर में प्रस्तुत प्रकरण वापस लिए जाने की सहमति दी गई थी।

आज हुई संचालक मंडल की बैठक में बोरियाखुर्द योजना में 523 ईडब्लूएस स्वतंत्र आवास के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्हलपमेंट कार्य हेतु नियुक्त ठेकेदार मेसर्स एन.सी.नाहर दुर्ग और विद्युत कार्य के ठेकेदार मेसर्स आलोक सोंधी को आवंटित कार्य ईडब्लूएस का निर्माण कार्य में हो रही देरी के कारण अनुंबध निरस्त किए जाने का अनुमोदन किया गया। उल्लेखनीय है कि बोरियाखुर्द योजना में मेसर्स आशीष इन्फ्राकॉन व्दारा ईडब्लूएस निर्माण कार्य में देरी के कारण उसके व्दारा नींव निर्माण तक का कार्य नहीं हो पाया था। इस लापरवाही व लेटलतीफी के कारण प्राधिकरण ने उसका कार्य अनुबंध निरस्त कर दिया है। संचालक मंडल ने ठेकेदार फर्म मेसर्स आशीष इन्फ्राकॉन को ब्लैक लिस्टेड करने का भी निर्णय लिया।

बैठक में कमल विहार के सेक्टर लेवल के कुछ व्यावसायिक भूखंडों जो बड़े आकार में होने के कारण विक्रय करने में कठिनाई आ रही थी। ऐसे बड़े भूखंडों को छोटे भूखंडों में परिवर्तित कर अभिन्यास संशोधन (आर-8) का प्रस्ताव क्षेत्रीय कार्यालय, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, रायपुर को भेजा है। इस प्रस्ताव पर संचालक मंडल ने आज अपनी सहमति दी।

RKMG COMMUNITY
E-Commerce platform for Indians
समस्त व्यापारि भाइयों और बहनों के लिए e-commerce प्लेटफॉर्म है RKMG community जो कि आपको आने वाले समय में मजबूत करेगा compete करने के लिए हर आन लाइन प्लेटफार्म से।
- हम आपको digital franchise बनाएँगे, जहाँ कई branded companies के समान को competitive रेट पर अपने ग्राहक को बेच पाएंगे और अपनी आमदनी बढ़ा पाएंगे।
- यहाँ अपने ग्राहक को पचास से भी अधिक समान बेच पाएंगे, बिना स्टोक रखे ।
- अपने ग्राहक से पैसे अपने अकाउंट में लेंगे और franchise price काट कर बाकी कम्पनी के ऑडर के लिए देंगे।
- RKMG आप लोगो से रूपए 5000+18% GST Franchise agreement fee लेगी।
- अधिक जानकारी के लिए 7828463843 & 9650145151 पर काल करे।
We are about to launch products live of your interest from 7th of May w®ww. From this day onwards You may Log on to www.rkmg.in/community/inde&.html and you will come to a page "welcome to RKMG community. On that page click on Read more. To buy products and services, click on to ecommerce and you will find all products being displayed. Here you are required to place order for the products at competitive prices as per your choices. You may contact at the below given franchisee for further clarification.
Pradeep Kumar Satpaty

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

गद्दा सादा 200/-
गद्दा हाथ बावडर 10 KG 650/-
गद्दा हाथ बावडर 15 KG 750/-
गद्दा मिनी चेक 6 KG 400/-
तकिया 100/- 2
तकिया 150/- 2
तकिया फायबर 250/- 2
कुशन फायबर 500/- सैट
MATTRESS 30% से 50% लेस
सफेद रूई के गद्दे 3X6 4X6 6X6 तैयार मिलते है।
सोफा कम बेड, बीन बैग, चादरे, सोफा कवर
संजय रूई भंडार
पंडरी मेन रोड, रायपुर
7987081626, 7987918262

खास खबर

मुख्यमंत्री मितान योजना से घर बैठे सेवायें हो रही है उपलब्ध

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रदेश के नागरिकों को शासन की सेवायें घर पर ही उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री मितान योजना शुरू की गई है। योजना की शुरूआत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक मई 2022 को श्रमिक दिवस के अवसर पर की है। इस योजना का उद्देश्य है कि नागरिकों को प्रमुखतः बुर्जुग, दिव्यांगों, निरक्षरों और जरूरतमंदों को घर बैठे आसानी से शासन की सेवाये उपलब्ध कराया जाना है। योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 14 नगर निगमों में 13 प्रकार की सेवायें उपलब्ध कराई जा रही है।

इस योजना का शीघ्र ही पूरे प्रदेश में विस्तारित किया जाएगा। शासन के करीब एक सौ सेवाये भी इस योजना के तहत पूरे प्रदेश में देने की योजना है। नगरीय प्रशासन विभाग की मुख्यमंत्री मितान योजना के अंतर्गत नागरिकों को मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, दस्तावेजों की नकल और डिजिटाइल्ड (भूमि रिकार्ड की प्रति) मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र सुधार, विवाह प्रमाण पत्र सुधार आदि सेवाये प्रदान की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री मितान योजना के जरिए शासकीय सेवाओं का लाभ उठाने के लिए नागरिकों को मितान टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल करना होगा। फोन कॉल के बाद मितान घर पहुंचकर आवश्यक दस्तावेज लेंगे और संबंधित कार्यालय से प्रमाण पत्र बनवाकर घर पहुंचायेंगे। मुख्यमंत्री मितान योजना के शुरू होने से सरकारी प्रक्रिया और आसान हो गई है।

खड़गपुर रेलवे स्टेशन से जुड़ेगी तीसरी लाइन, आधा दर्जन गाड़ियां रहेंगी रद

रायपुर (ए)। अगर आप भी ट्रेन से यात्रा करते हैं तो यह खबर आपके लिए है। दरअसल, दक्षिण पूर्व रेलवे खड़गपुर रेल मंडल के खड़गपुर रेलवे स्टेशन को तीसरी लाइन से जोड़ने का काम किया जाएगा। इसके लिए रेलवे 21 और 22 मई को रेलवे ने ब्लाक लेने का निर्णय लिया है। ब्लाक की वजह से आधा दर्जन गाड़ियां रद रहेंगी, जिसमें 21 मई को अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस, 22 मई को हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस, 20 मई को पोरबंदर-सांतरागाछी एक्सप्रेस, 22 मई सांतरागाछी-पोरबंदर एक्सप्रेस, 21 मई उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस, 22 मई को शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस रद रहेगी। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुरी-अहमदाबाद-पुरी और विशाखापट्नम-कोरबा-विशाखापट्नम एक्सप्रेस का दो मिनट का ठहराव संबलपुर रेल मंडल के नारला रोड स्टेशन में देने का निर्णय लिया है। पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस 14 मई को नारला रोड में 04.00 बजे पहुंचकर 04.02 बजे रवाना होगी । विपरीत दिशा से चलने वाली अहमदाबाद-पुरी एक्सप्रेस 20.22 बजे नारला रोड पहुंचकर 20.24 बजे रवाना होगी।

सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग एवं प्लाटून कमाण्डर भर्ती-2021

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस में सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग एवं प्लाटून कमाण्डर की भर्ती-2021 के अंतर्गत दस्तावेज परीक्षण एवं शारीरिक माप परीक्षण की कार्यवाही छत्तीसगढ़ के सभी रेंज मुख्यालयों- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जगदलपुर एवं सरगुजा में होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेंज के अंतर्गत आने वाले जिलों के अभ्यर्थियों का परीक्षण निर्धारित तिथिवार किया जायेगा। अभ्यर्थियों को इस परीक्षण में शामिल होने के लिए प्रवेश-पत्र 14 मई से छत्तीसगढ़ पुलिस की वेबसाईट cgpolice.gov.in एवं web.cgstate.gov.in/CGPOLICE/ से डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षण तिथि एवं परीक्षण स्थल की जानकारी प्रवेश-पत्र में अंकित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट में दिए गए फोन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला पंचायत रायपुर की सामान्य सभा की बैठक 27 मई को

रायपुर। जिला पंचायत रायपुर की सामान्य सभा की बैठक 27 मई को दोपहर 12 बजे से कलेक्टोरेट परीसर स्थित जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी। जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी ने सभी संबंधितों को निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

इसी सत्र से लैलूंगा और लुण्ड्रा में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय

ड्रापआउट बच्चों के लिए सड्डू में बनेगा कोचिंग सेंटर

कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आरक्षण नियम संशोधित

आवासीय विद्यालयों में कृषि और वाणिज्यिक संकाय प्रारंभ करने का प्रस्ताव

आवासीय एवं आश्रम संस्थान संचालक मंडल की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आवासीय एवं आश्रम संस्थान संचालक मंडल की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शिक्षण सत्र 2022-23 से रायगढ़ जिले के लैलूंगा और सरगुजा जिले के लुण्ड्रा में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का प्रारंभ होंगे। दोनों विद्यालय में 60-60 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। बैठक में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के सचिव डीडी सिंह, आयुक्त शम्मी आबिदी सहित संचालक मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के ड्रापआउट बच्चों के लिए रायपुर के सड्डू में कोचिंग सेंटर बनाया जाएगा। यहां भवन निर्माण के लिए 15 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस कोचिंग सेंटर में एकलव्य विद्यालयों से कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग दी जाएगी। बैठक में शिक्षण सत्र 2021-22 में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को जेईई और नीट परीक्षा की तैयारी के लिए क्रैश कोर्स की कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। उल्लेखनीय है कि सभी एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय से स्क्रीनिंग टेस्ट कराकर 101 प्रतिभावान विद्यार्थियों का चयन किया गया। इसमें नीट के लिए 51 और जेईई के लिए 50 विद्यार्थी कोचिंग के लिए चयनित हुए है। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि आगामी वर्ष से 200 विद्यार्थियों को कोचिंग देने का लक्ष्य रखे। इसमें मेडिकल, इंजीनियरिंग के साथ ही कृषि इंजीनियरिंग और न्यायिक प्रवेश परीक्षा (क्लेट) की भी कोचिंग दी जाए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में 73 विद्यार्थियों को आयुक्त कार्यालय पंडित रविशंकर शुक्ल विद्यालय परिसर में कोचिंग प्रदान की जा रही है।

प्रवेश आरक्षण नियम संशोधित

बैठक में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए संशोधित आरक्षण नियम का अनुमोदन किया गया। जिसके अनुसार अनुसूचित जनजाति के विशेष पिछड़ी जनजाति- कमार, अबूझमाड़िया, पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, बैगा, पण्डो और भुंजिया के विद्यार्थियों को प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी।

घूमंतु एवं अनाथ बच्चों को प्रवेश में प्राथमिकता

एकलव्य विद्यालय में कार्यरत् अमले के कर्मचारियों के अधिकतम दो बच्चों को डे-स्कालर के रूप में विद्यालय में अध्ययन-अध्यापन की सुविधा प्रदान की जाएगी, जो स्वीकृत सीट से अतिरिक्त होगी। कुल स्वीकुत सीट का 10 प्रतिशत आरक्षण घूमंतु समुदाय के बच्चे, ऐसे बच्चे जो अपने माता-पिता को वामपंथ उग्रवाद, विद्रोह, कोविड में खो चुके है, विधवा महिला के बच्चे, दिव्यांग माता-पिता के बच्चे और अन्य जैसे- भूमिदान करने वाले परिवार के बच्चे, अनाथ बच्चे को इन स्कूलों में दाखिला मिलेगा। यह बच्चे अनुसूचित जाति वर्ग के हो और प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए हो। शेष सीट अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्रों से भरी जाएगी। आरक्षित सीटों के लिए बच्चे न मिलने पर सीटों की पूर्ति अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों से की जाएगी।

कृषि एवं वाणिज्य संकाय शुरू होंगे

बैठक में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कृषि और वाणिज्यिक संकाय प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए एकलव्य विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों से फीडबैक भी लिया गया है। उल्लेखनीय है कि एकलव्य विद्यालयों में केवल विज्ञान एवं गणित संकाय की ही पढ़ाई हो रही थी।

16 आदिवासी विकासखंडों में एकलव्य का प्रस्ताव

बैठक में प्रदेश के 16 आदिवासी विकासखंडों में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के संचालन के लिए वहां की जनसंख्या और साक्षरता दर के अनुसार प्राथमिकता से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खोले जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। उल्लेखनीय है कि इन 16 विकासखंडों में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित नहीं है। यहां एकलव्य विद्यालय खोलने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जा चुका है। प्रदेश में वर्तमान में 29 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में संचालित है। शेष विद्यालयों में वर्ष 2022-23 से कक्षा 6वीं में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। शेष कक्षाएं यथावत संचालित रहेंगी।

शैक्षणिक कैलेण्डर अनुमोदित-स्किल बढ़ाने विविध गतिविधियां

बैठक में वर्ष 2022-23 के शैक्षणिक कैलेण्डर का अनुमोदन किया गया। जिसके अनुसार कक्षा 10वीं की कक्षाएं 1 जून और कक्षा 6वीं से 6वीं तक की कक्षाएं 10 जून से प्रारंभ होंगी। कक्षा 12वीं में नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं 30 मई से पुनः प्रारंभ की जाएगी। विद्यालय में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु कोचिंग प्रारंभ होने के फलस्वरूप ग्रीष्मकालीन अवकाश नहीं दिया जाएगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश में सह-शैक्षणिक गतिविधियां-पेंटिंग, साफ्ट स्किल, हैण्डीक्राफ्ट, कार्टून वर्कशाप, चलित विज्ञान मॉडल और रोबोटिक्स इत्यादि के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीबीएसई पाठ्यक्रम से अध्यापन हेतु शिक्षकों को 5 जून से 15 जून तक विषय-विशेषज्ञों को आमंत्रित कर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी प्रकार यूनिसेफके सहयोग से एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य और अधीक्षकों का बच्चों के मनोसामाजिक विकास एवं संस्था संचालन और क्षमता विकास का प्रशिक्षण 8 जून से 13 जून तक आयोजित किया जाएगा। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के कर्मचारियों को सातवें वेतनमान के तृतीय एवं चतुर्थ किस्त की अनुमानित राशि 350 लाख रूपए का एरियर्स प्रदाय किया जाएगा। दूरस्थ अंचल में स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में क्वालिफाई शिक्षकों की व्यवस्था एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों को आकर्षित करने प्रति कालखंड के मानदेय में वृद्धि का प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य के माध्यम से 20 लाख लोगों का इलाज

स्लम बस्तियों के लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं दवाईयां

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अब तक 28, 418 कैम्प आयोजित

3 लाख 97 हजार से अधिक मरीजों की हुई पैथालॉजी जांच

16 लाख 50 हजार से अधिक मरीजों को दी गई निःशुल्क दवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के शहरी क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में निवासरत लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक मोबाइल मेडिकल टीम द्वारा 20 लाख 6 हजार 401 लोगों को निःशुल्क इलाज मुहैया कराया गया है। इसके तहत राज्य के 169 नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में अब तक मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम द्वारा 28 हजार 418 कैम्प लगाकर लोगों की निःशुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं।

गौरतलब है कि राज्य के 14 नगर निगम क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत 01 नवम्बर 2020 को हुई थी। इसके तहत 60 मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा स्लम बस्तियों में जाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार एवं दवा वितरण की शुरूआत की गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस योजना से लोगों को घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा मिलने की सफलता को देखते हुए 31 मार्च 2022 को इसका विस्तार पूरे राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों में किया गया तथा 60 और नई मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू की गई। इस योजना के तहत अब पूरे राज्य के नगरीय क्षेत्रों के स्लम बस्तियों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम, मेडिकल उपकरण एवं दवाओं से लैस 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक 3 लाख 97 हजार 273 मरीजों को पैथालॉजी टेस्ट की सुविधा मुहैया कराने के साथ ही 16 लाख 49 हजार 927 मरीजों को निःशुल्क दवाएं दी गई हैं। इस योजना के तहत लाभान्वित मरीजों में 2 लाख 29 हजार 991 मरीज श्रम विभाग में पंजीकृत हैं।

जन हानि के 40 प्रकरणों पर 1.60 करोड़ रूपए की सहायता राशि स्वीकृत

रायपुर। प्राकृतिक आपदा के फलस्वरूप जन हानि के प्रकरणों में त्वरित आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। सरगुजा जिले में जनहानि के प्रकरणों पर एक करोड़ 60 लाख रूपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जिले में प्राकृतिक आपदा से हुई जनहानि के प्रकरणों में 17 प्रकरण पानी में डूबने, 13 प्रकरण सर्पदंश, 04 प्रकरण आकाशीय बिजली से हुई जनहानि के प्रकरण है। इसके अलावा 03 प्रकरण आग लगने, 02 प्रकरण मिट्टी से दबने और एक प्रकरण मधुमक्खी के काटने से मृत्यु शामिल है।

कान से संबंधित रोगों की जांच व उपचार के लिए शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क सुविधाए

रायपुर। कान हमारे शरीर का अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण अंग है। यह श्रवण शक्ति के साथ ही हमारे शरीर को संतुलित बनाए रखता है। आज की इस शोरगुल भरी जिंदगी में कान का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। कान में दर्द, कान में संक्रमण, कान में भारीपन आदि किसी भी समस्या को नज़रअंदाज़ न करें। यह समस्या समय के साथ बहरेपन की वजह भी बन सकता है।

कान की देखभाल कैसे करें

नहाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कान में पानी न जाए। कान में मैल और गंदगी की परत न जमने दें एवं कान की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। कान में खुजली होने पर किसी नुकीली वस्तु, तेल या अन्य कोई तरल पदार्थ न डालें, गंदी और संक्रमण फैलाने वाली किसी भी चीज से कान की सफाई न करें। कान के दर्द को बिल्कुल नजरअंदाज न करें।

आजकल मोबाइल फोन का इस्तेमाल जितना तेजी से बढ़ा है, उसका बुरा असर भी कानों पर पड़ता दिख रहा है। ईयर प्लग से मोबाइल में ज्यादा तेज म्यूजिक सुनने या फोन पर लंबी बात करने से बचें। फोन को गर्दन और कानों के बीच दबाकर सुनने की आदत भी परेशानी खड़ी कर सकती है, इससे बचें। यदि घर का कोई सदस्य तेज आवाज में टीवी देखता है और आपके बार-बार पुकारने पर भी नहीं सुनता तो इसे नजरअंदाज न करें। गले व शरीर की एलर्जी की वजह से भी कान के पर्दे के पीछे पानी जमा हो सकता है, इससे पीड़ित को कम सुनाई देने के साथ-साथ कान में दर्द की शिकायत भी रहती है। यही आगे जाकर कान में मवाद और संक्रमण का कारण बन जाती है। कान संबंधी किसी भी समस्या का उपचार तुरंत अपने नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र जाकर या चिकित्सक से जांच करवाएं ।

राष्ट्रीय बधिरता रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2021-22 में प्रदेश के 28 शासकीय चिकित्सालयों में कान से जुड़ी समस्याओं वाले एक लाख 61 हजार 393 लोगों की जांच की गई। इनमें से 13 हजार 989 लोग बधिरता से ग्रसित पाए गए। बधिरता से पीड़ित 2798 रोगियों की माइनर सर्जरी तथा 157 रोगियों की मेजर सर्जरी की गई। 1912 लोगों को हियरिंग ऐड तथा 2399 लोगों को स्पीच थैरेपी भी दी गई है। उन्होंने बताया कि कान संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या को हल्के में न लें। इससे संबंधित कोई भी जाँच आप अपने निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल या शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में जाकर करवा सकते हैं।

दिन का तापमान घटा, रात का सामान्य से तीन डिग्री अधिक

रायपुर (ए)। प्रदेश में अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की मौसम विभाग ने संभावना जताई है। हालांकि, शनिवार को प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं। प्रदेश के अधिकतम तापमान में शुक्रवार को विशेष बदलाव नहीं हुआ। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई।

प्रदेश में मुंगेली में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 43.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रायपुर का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में गर्मी और बढ़ने वाली है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के अनुसार, इस वर्ष 27 मई तक दक्षिण पश्चिम मानसून केरल तट पर पहुंचेगा। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि सामान्य रूप से 15 मई के बाद से ही मानसून की प्रक्रियाएं शुरू हो जाती है और इसके अनुसार ही अनुमान लगाए जाते है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुनिया की सबसे डरावनी फिल्में

द एक्सोरसिस्ट दुनिया की सबसे डरावनी और कमाने वाली हॉरर फिल्म

आपको हॉरर फिल्में पसंद हैं? अगर हां तो क्या आप जानते हैं कि दुनिया की सबसे डरावनी फिल्म कौनसी है। आज हम बात करेंगे दुनिया की सबसे डरावनी फिल्मों की। जिसे शायद कोई भी व्यक्ति अकेला देख नहीं पाएगा या देख भी लिया तो रात में अकेले सोने में वो दस बार सोचेगा।

द एक्सोरसिस्ट

1973 में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्म द एक्सोरसिस्ट को दुनिया की सबसे डरावनी फिल्म माना जाता है। इस फिल्म में एक हॉलीवुड स्टार की बच्ची पर प्रेत आत्मा का साया दिखाया गया है। जिसे उसकी मां एक्सोरसिस्म के सहारे दूर करने की कोशिश करती है। फिल्म के सीन इतने डरावने हैं कि इस फिल्म को आप पहली बार देख रहे हैं और आप आसानी से डरने वाले व्यक्ति नहीं हैं फिर भी डर जाएंगे। इस फिल्म को विलीयम फ्रेडकिन ने डायरेक्ट किया था। जो कि इसी नाम की नॉवेल पर आधारित है। ये नॉवेल बेस्ट सेलर थी। जबकि ये फिल्म दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉरर फिल्म है। इस फिल्म का बजट 96 करोड़ 77 लाख था और कमाई की बात करें तो इस फिल्म की कमाई 349 करोड़ थी। द एक्सोरसिस्ट 9 कैटेगरी में ऑस्कर में नॉमिनेट हुई थी और दो कैटेगरी में अवॉर्ड अपने नाम किए थे।

हैरिडेटरी

2018 में रिलीज हुई ये फिल्म दुनिया की दूसरी सबसे डरावनी फिल्म है। ये एक फैमिली ड्रामा पर बेस्ड है। इस फिल्म को एरी एस्टर ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में सुपरनेचुरल पॉवर को बताया गया है। फिल्म में टोनी कोलेट ने बेहतरीन एक्टिंग की है। 77 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 618 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इस फिल्म को दशक की सबसे डरावनी फिल्म भी माना गया था।

द कंजूरिंग

2013 में रिलीज हुई ये फिल्म दुनिया की सबसे डरावनी फिल्मों की इस सीरीज में तीसरे नंबर पर है। फिल्म को सच्ची घटना पर आधारित बताया गया है। इस फिल्म को जेम्स वॉन ने डॉयरेक्ट किया है। पैरानार्मल इन्वेस्टिगेटर्स और डरावनी घटनाओं से इस फिल्म की कहानी ली गई है। जो बेहद डरावनी है। जो बेहद डरावनी है। इस फिल्म में कई ऐसे सीन हैं जो आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। 154 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म के पहले पार्ट ने 2,470 करोड़ की कमाई की थी।

द शाइनिंग

1980 में रिलीज हुई ये फिल्म एक ऐसे व्यक्ति पर आधारित है जो अकेले रहते हुए अपना मानसिक संतुलन खो देता है और अपनी फैमिली के साथ फार्म हाउस पर ऐसी हरकतें करता है जिससे उसकी फैमिली खतरे में पढ़ जाती है। इस फिल्म के सीन विचलित कर देते हैं। ये फिल्म इसी नाम पर लिखी गई नॉवेल पर बेस्ड है। इस फिल्म को क्रिटीक्स का भी बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। 147 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 364 करोड़ की कमाई की थी।

टैक्सास चैनसॉ मैस्कर

1974 में रिलीज हुई इस फिल्म को टॉब हूपर ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म एक फैमिली ड्रामा है। फिल्म में एक डरावना शख्स है जो लोगों की हत्या करता है। फिल्म में कई सीन ऐसे हैं जिन्हें देखतक आप कांप जाएंगे। ये फिल्म सुपरहिट रही थी और इस फिल्म के थिएटर में 16.5 मिलियन टिकट बेचे गए थे जो कि एक रिकॉर्ड है। ये फिल्म महज 62 लाख के बजट में बनी थी जिसने 232 करोड़ की कमाई की थी।

द रिंग

2002 में रिलीज हुई ये फिल्म डायरेक्टर गोरे वरबिनस्की ने डायरेक्ट की है। जो सुपरनेचुरल पॉवर पर आधारित है। ये फिल्म जापानी हॉरर फिल्म हेडियो नॉकाटा की रिमेक है। जो कि कॉजी सुजुकी की नॉवेल पर आधारित थी। इस फिल्म में एक वीडियो दिखाया गया है जो कि एक जर्नलिस्ट देख लेता है जिसके 7 दिनों के अंदर उसकी मौत हो जाती है। बस यहीं से शुरू होती है फिल्म की कहानी और मौतों का सिलसिला जो फिल्म के साथ ही आगे बढ़ता जाता है। ये फिल्म इतनी डरावनी है कि इसे देखने के बाद कई दिनों तक इसकी कहानी याद रहती है। 371 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म की कमाई 1,929 करोड़ थी।

सामने आया सुहाना खान, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा का लुक

सुहाना खान, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा नेटफ्लिक्स फिल्म 'द आर्चीज' के साथ डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म में जोया अख्तर, कॉमिक बुक के पात्र आर्ची एंड्रयूज और उनके दोस्तों को भारतीय लुक देने जा रही हैं। बता दें कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली इस फिल्म का सेट 1960 के दशक के भारत में स्थापित किया गया है। 18 अप्रैल, 2022 को 'द आर्चीज' की शूटिंग शुरू हो गई थी। वहीं अब शनिवार यानी 14 मई को नेटफ्लिक्स इंडिया ने इसका फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी कर दिया है।

ऐसी है 'द आर्चीज' की स्टार कास्ट

फिल्म के कलाकारों का पहला लुक साझा करते हुए मेकर्स ने इस बात की जानकारी दी कि 'द आर्चीज' में सुहाना खान 'वेरोनिका', खुशी कपूर 'बेट्टी' और अगस्त्य नंदा 'आर्चीज' का किरदार निभा रहे हैं। वहीं सुहाना खान, खुशी कपूर और अगस्त्य नंदा के अलावा 'द आर्चीज' में मिहिर आहूजा, डॉट, वेदांग रैना और युवराज मेंडा भी मुख्य भूमिका में हैं। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से 'द आर्चीज' का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, अपने पिकनिक बास्केट को पकड़ें और अपने सबसे प्यारे आउटफिट्स को चुनें, हम 'द आर्चीज' के गैंग को बधाई देने जा रहे हैं! जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' के कलाकारों को आपके सामने पेश कर रहे हैं।

मृणाल सेन: फिल्ममेकर जिसने फिल्मों में समाज की असली तस्वीर दिखाई, 18 नेशनल अवॉर्ड जीते

क्या आप जानते हैं की सोशल इश्यूज पर बन रहीं अनेक, गंगुबाई काठियावाड़ी, बधाई दो, जय भीम, द ग्रेट इंडियन किचन, थप्पड़, आर्टिकल 15, पिंक जैसी ये हार्ड और रीयलिस्टिक फिल्में बॉलीवुड का कोई नया एक्सपेरिमेंट नहीं है। बल्कि, ये एक फिल्म मूवमेंट का रिजल्ट हैं जिसका नाम है न्यू वेव फिल्म मूवमेंट।

भारत में इसकी शुरुआत मृणाल सेन ने 1970 में की थी। आज इनकी 99वीं बर्थ एनिवर्सरी है। मृणाल सेन को भारत में न्यू वेव सिनेमा का जनक माना जाता है। इनकी फिल्में आर्ट फिल्में थीं,. जिनका एक सेपरेट फैन बेस हुआ करता था, जो आज भी है। एक इंटरव्यू में मृणाल ने कहा था कि चार्ली चैपलिन की फिल्मों ने मुझे बड़ा किया है।

फिल्म 'एक दिन अचानक' बनाने वाले मृणाल एक दिन अचानक राज्य सभा के मेम्बर चुन लिए गए। 1997 से 2003 तक उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया। 30 दिसम्बर 2018 को सेन ने अंतिम सांस ली। इनकी दी गई न्यू वेव सिनेमा की लिगेसी अब भी जारी है।

अनसुनी दास्तानें: बचपन में पिता की मौत, डॉक्टर बनने का सपना छोड़ 16 की उम्र में एक्ट्रेस बनीं वहीदा, ताउम्र स्लीवलेस कपड़े नहीं पहने

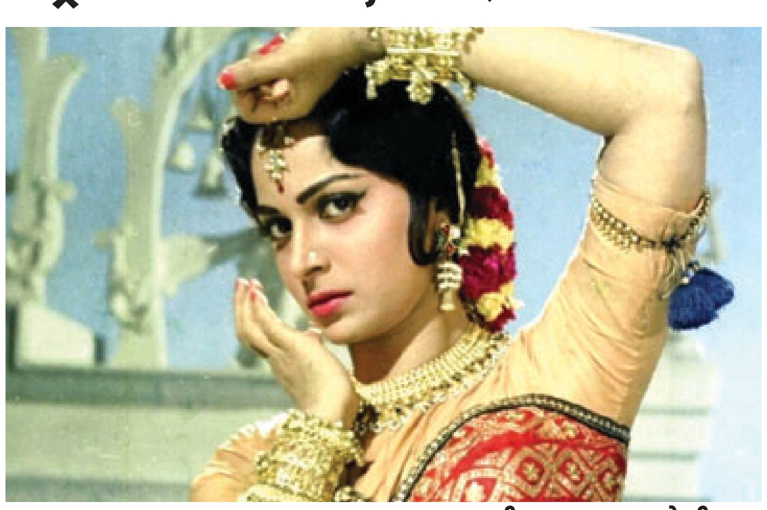

सीआईडी', 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'नीलकमल' जैसी बेहतरीन फिल्मों से अभिनय की गहरी छाप छोड़ने वालीं वहीदा रहमान आज 85 साल की हो गई हैं। वहीदा कभी हीरोइन बनना नहीं चाहती थीं, लेकिन मजबूरी इन्हें फिल्मी दुनिया तक ले आई। वहीदा डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन 13 साल की उम्र में ही पिता की मौत हो गई और डॉक्टर बनने का सपना उन्हें छोड़ना पड़ा।

पिता के गुजरने के बाद भरतनाट्यम् में महारत हासिल कर चुकीं वहीदा को तेलुगु फिल्मों में काम मिला, जहां से उनकी किस्मत ने हिंदी सिनेमा के रास्ते खोले। मजबूरी में फिल्मों में आईं वहीदा हमेशा से ही अपने उसूलों की पक्की रहीं। जहां इंडस्ट्री में काम पाने के लिए लोग हर शर्त मानने, अपना नाम और पहचान बदलने के लिए आसानी से राजी हो जाते थे, उस समय वहीदा ने गुरु दत्त जैसे बड़े डायरेक्टर के खिलाफ जाकर अपनी शर्तें रखीं। महज 17 साल की उम्र में एक्टिंग करियर शुरू करने वाली वहीदा अपनी सादगी से लोगों के जेहन में घर कर लेती थीं। करीब 67 सालों के एक्टिंग करियर में वहीदा ने गुरु दत्त, सत्यजीत रे और बासु चटर्जी जैसे फिल्ममेकर्स के साथ काम किया। कभी चौदहवीं का चांद की जमीला बनीं तो कभी प्यासा की गुलाबो बनकर लोगों के दिलों पर राज किया। वहीदा के जन्मदिन के खास मौके पर इस शनिवार अनसुनी दास्तान में पढ़िए उनकी जिंदगी की कहानी।

गुरु जी ने कुंडली देख कर सिखाया भरतनाट्यम

वहीदा का जन्म 14 मई 1938 को तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में जिला कमिश्नर अब्दुर रहमान के घर में हुआ। वहीदा चार बहनों में सबसे छोटी थीं। वहीदा जब भरतनाट्यम सीखने गुरुजी के पास पहुंचीं तो उन्होंने मुस्लिम वहीदा को सिखाने से इनकार कर दिया। गुरुजी ने कहा, अगर डांस सीखना है तो कुंडली लेकर आओ, लेकिन वहीदा के पास कुंडली नहीं थी। वहीदा ने जिद पकड़ी तो खुद गुरुजी ने खुद कुंडली बना दी। कुंडली देखकर वो हैरान रह गए और कहा, 'तुम मेरी आखिरी और सबसे बेहतरीन स्टूडेंट बनोगी।'

महज 13 साल की उम्र में उठा पिता का साया

1951 में 13 साल की उम्र में वहीदा ने अपने पिता को खो दिया। वहीं मां ज्यादातर बीमार रहने लगीं। वहीदा डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन पिता का साया उठने के बाद उन्हें अपना सपना छोड़कर घर की आर्थिक स्थिति पर ध्यान देना पड़ा। भरतनाट्यम के हुनर के चलते वहीदा को रीजनल फिल्मों में छोटे-मोटे काम मिलने लगे। पहली बार वहीदा 1955 की तेलुगु कुंडली रोजुलु मरायी के गाने में आइटम नंबर में दिखी थीं। इसके बाद इन्हें चंद और तेलुगु फिल्मों में अभिनय करने का मौका मिला।

गुरु दत्त की एक नजर पड़ते ही बन गईं स्टार

वहीदा की पहली कुंडली रोजुलु मरायी का प्रीमियर हैदराबाद में हुआ था, जहां हिंदी कुंडली इंडस्ट्री के नामी फिल्ममेकर गुरु दत्त भी मौजूद थे। कुंडली में वहीदा के काम से इम्प्रेस होकर गुरु दत्त ने उन्हें मुंबई आने का ऑफर दिया। वहीदा मुंबई पहुंचीं तो उन्हें गुरु दत्त के चीफ असिस्टेंट राज खोसला की फिल्म सीआईडी में लीड रोल मिल गया। फिल्म में देव आनंद लीड रोल में थे, जो उस समय के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक माने जाते थे।

डायरेक्टर ने कहा- आपका नाम सेक्सी नहीं है, बदल दो

गुरु दत्त और राज खोसला चाहते थे कि फिल्मों में आने पहले वहीदा अपना नाम बदल लें। दोनों ने मीना कुमारी, दिलीप कुमार और मधुबाला का उदाहरण देते हुए कहा था कि वहीदा नाम सेक्सी नहीं है। दोनों ने शर्त रखी कि फिल्म में काम करने के लिए तुम्हें नाम बदलना पड़ेगा, लेकिन वहीदा ने इससे साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ये नाम मुझे मेरे पेरेंट्स ने दिया है और मैं इसी के साथ पहचान बनाऊंगी।

राज खोसला ने गुरु दत्त से कहा- तुमने इसे साइन किया है या इसने तुम्हें

वहीदा अभी फिल्मों में आई नहीं थीं, लेकिन उन्होंने महान फिल्ममेकर्स के सामने नाम बदलने से साफ इनकार कर दिया था। गुरु दत्त और राज खौसला उनके रवैये से हैरान रह गए थे। इसी समय 17 साल की वहीदा ने एक के बाद एक शर्त रखना शुरू कर दिया। पहली शर्त नाम नहीं बदलूंगी, दूसरी शर्त मां सेट पर साथ आएंगीं।

जब गुरु और राज राजी हुए तो वहीदा ने कॉन्ट्रैक्ट में तीसरी और सबसे बड़ी शर्त जोड़ने को कहा। वो थी, मैं खुद अपनी कॉस्ट्यूम फाइनल करूंगीं और किसी के कहने पर बिकिनी या छोटे कपड़े नहीं पहनूंगीं। वहीदा के यूं शर्त रखने पर राज खोसला नाराज होकर गुरु दत्त से कहने लगे, तुम इसे साइन कर रहे हो या ये तुम्हें। दोनों ने वहीदा से तीन दिनों तक कोई संपर्क नहीं किया, लेकिन आखिरकार दोनों राजी हो गए।

असल जिंदगी में भी कभी नहीं पहने स्लीवलेस कपड़े

वहीदा का मानना था कि उनका शरीर इस तरह के कपड़ों के लिए मुनासिब नहीं हैं। फिल्में तो दूर की बात, वहीदा ने कभी असल जिंदगी में भी स्लीवलेस कपड़े नहीं पहने। वहीदा का चार्म और हुनर ऐसा था कि हर फिल्ममेकर उनकी इस शर्त से राजी हो जाया करता था। वहीदा अपनी सादगी के लिए जानी गईं, जबकि उस जमाने में एक्ट्रेसेस मॉडर्न नजर आने की कोशिश में रहती थीं।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: महेश बाबू की सरकारू वारी पाटा ने कमाए 75 करोड़ रुपए करियर की बेस्ट ओपनिंग वाली फिल्म बनी

महेश बाबू की फिल्म सरकारू वारी पाटा सिनेमाघरों मे रिलीज हो गई है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 75.21 करोड़ की ओपनिंग कमाई की है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन के अनुसार, महेश की यह फिल्म उनके करियर की बेस्ट ओपनिग फिल्म बन गई है। सरकारू वारी पाटा को एस परुसुराम पेटला ने डायरेक्ट किया है। वहीं महेश का हिंदी फिल्म में काम करने को लेकर दिए गए बयान के बाद सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल भी हुए थे।

सरकारू वारी पाटा बनीं करियर की बेस्ट फिल्म

मनोबाला ने अपने पोस्ट पर बताया कि सरकारू वारी पाटा ने अपने पहले दिन में बॉक्स ऑफिस पर 75.21 करोड़ रुपए की ओपिनिंग की। इसमें से सिर्फ तमिलनाडु स्टेट और आंध्र प्रदेश से 52.18 करोड़ रुपए कमाए हैं। वहीं कर्नाटक समेत अन्य सर्कल से 23.03 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही मनोबाला ने बताया कि सरकारू वारी पाटा महेश बाबू के करियर की बेस्ट ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है।

महेश बाबू का वर्कफ्रंट

महेश की वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अब डायरेक्टर एस एस राजामौली की अपकमिंग एडवेंचर थ्रिलर पर काम करेंगे। राजामौली के साथ यह उनकी पहली फिल्म है।

क्या कहा था महेश ने

महेश बाबू फिल्म मेजर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचे थे। जहां उनसे मीडिया ने बॉलीवुड डेब्यू के बारे में पूछा तो महेश ने कहा, ऐसा नहीं है कि मुझे ऑफर्स नहीं मिले, लेकिन मुझे लगता है कि वो लोग मुझे अफोर्ड नहीं कर सकते। मैं हिंदी में काम करके अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहता, जो मुझे अफोर्ड ही नहीं कर सकते हैं। मुझे मेरी साउथ इंडस्ट्री में जो स्टारडम और मान-सम्मान मिला है, वह बहुत बड़ा है। इसीलिए मैं कभी इस इंडस्ट्री को छोड़कर दूसरी इंडस्ट्री में काम करने की सोच ही नहीं सकता हूं। मैं हमेशा फिल्में करने और बड़ा बनने के बारे में सोचता हूं। मेरे सपने अब पूरे हो रहे हैं।

बयान पर महेश ने दी थी सफाई

महेश बाबू ने कहा, मैं जहां (साउथ इंडस्ट्री) फिल्म कर रहा हूं, वहां फिल्में करने में कंफर्टेबल हूं। मुझे खुशी है कि मेरा सपना पूरा हो रहा है, क्योंकि तेलुगु सिनेमा ऊंचाईयों को छू रहा है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

वर्चुअल डाक अदालत का आयोजन 19 को

रायपुर। डाक विभाग को मिलने वाली शिकायतों का त्वरित निपटान के उद्देश्य भारतीय डाक विभाग के रायगढ़ संभाग द्वारा 19 मई 2022 को पूर्वान्ह 11 बजे से अधीक्षक डाकघर, पंजाब नेशनल बैंक के पास, अनाथालय रोड रायगढ़ में वर्चुअल डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभागीय अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं से काउंटर सेवा, बचत बैंक, मनी आर्डर, स्पीड पोस्ट, डाक जीवन बीमा इत्यादि में आने वाली समस्याओं को लेकर चर्चा की जाएगी। इच्छुक उपभोक्ता डाक सेवा से संबंधित अपनी शिकायत पूर्ण विवरण जिसमें शिकायत कर्ता का नाम, पता, मोबाइल नंबर के साथ अधीक्षक डाकघर, रायगढ़ संभाग, रायगढ़, अनाथालय रोड, रायगढ़ को 19 मई 2022 या उससे पहले भेजा सकते है।

विधायक एवं कलेक्टर ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ताड़ोकी का आकस्मिक निरीक्षण

कांकेर। अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनूप नाग, कलेक्टर चन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा ने आज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ताड़ोकी का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र का लैब, ओपीडी, परामर्श कक्ष, स्टॉफ रूम इत्यादि का अवलोकन किया और दवाईयों एवं स्टॉक पंजी की जांच किया तथा स्टॉक पंजी विधिवत संधारित नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के मेडिकल ऑफिसर डॉ. रामटेके को निर्देशित करते हुए कहा कि रात्रि में भी रोस्टर बनाकर ड्यूटी लगाई जावे तथा इसके पृथक से रजिस्टर संधारित किया जावे।

शहर को स्वच्छ तथा जलभराव और डेंगू मुक्त बनाने निगम के स्वास्थ्य प्रभारी ने की अपील

रायगढ़। नगर निगम के एमआईसी सदस्य और स्वास्थ्य प्रभारी संजय देवांगन ने शहर को स्वच्छ,डेंगू एवं जलभराव से मुक्त बनाने शहर वासियों से विशेष अपील की और कहा आगामी दिनों में बरसात होने वाली है और यह सभी जानते है कि शहर के कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति निर्मित होती है और डेंगू मलेरिया जैसे घातक बीमारियो का सामना करना पड़ता है, वास्तव में शहरवासियों को सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, वैसे नगर निगम द्वारा बरसात से पहले बड़े छोटे नालों की सफाई जारी है किंतु शहर के नागरिक यदि स्वयं से सतर्क नही होंगे तो आने वाला समय भयावह होगा। सतर्क और सक्रिय स्वास्थ्य प्रभारी संजय देवांगन ने इन्ही समस्याओं को मनन करते हुए शहरवासियों से अपील किया है।

विश्व में भी मक्का की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही - केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि भोजन के साथ ही कुक्कट पालन व एथनाल उत्पादन सहित विविध क्षेत्रों में मक्का का इस्तेमाल होने से न केवल भारत में बल्कि विश्व में भी मक्का की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। सरकार फसलों के विविधीकरण कार्यक्रम के तहत, विभिन्न पहलों के जरिये किसानों को मक्का उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

साथ ही, सरकार ने विभिन्न पहल व पैकेजों से उद्यमियों को भी समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 8 साल के दौरान मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 43 प्रतिशत बढ़ाया गया है। इसके साथ ही मक्का का उत्पादन बढ़ने से किसानों को भी इसका काफी लाभ मिला है।

केंद्रीय मंत्री तोमर ने यह बात देश के प्रमुख वाणिज्य एवं उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित 'भारत मक्का शिखर सम्मेलन-2022' के 8वें संस्करण में मुख्य अतिथि के रूप में कही। तोमर ने मक्का क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार के भरपूर समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कृषि हमारे देश की रीढ़ के समान है, जिसने कोविड-19 सहित हर संकट में देश की मदद की है। कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि भी उत्साहवर्धक रही है, जिसका आंकड़ा लगभग चार लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। तोमर ने भारतीय कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में कहा कि मौजूदा रूस-यूक्रेन संकट के दौरान वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए सरकार गेहूं का निर्यात सुनिश्चित करने पर काम कर रही है। यह हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि दुनिया की जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारे किसानों द्वारा पैदा किए गए गेहूं सहित अन्य कृषि उत्पादों का उपयोग किया जा रहा है।

तोमर ने जोर देते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में काफी निवेश की आवश्यकता है, जिसके लिए एक लाख करोड रु. के कृषि अवसंरचना कोष सहित कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों के लिए डेढ़ लाख करोड़ रु. से ज्यादा के पैकेज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए हैं। कृषि क्षेत्र की बेहतरी के लिए इसमें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने की जरूरत है, जिसके लिए भी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पहल करने के साथ ही मंत्रालय द्वारा कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि आज के समय के अनुरूप उद्योगों और किसानों को मिल-जुलकर काम करना होगा ताकि दोनों की जरूरतें पूरी हो सकें और ऐसा होने से कृषि व उद्यम क्षेत्र के साथ ही देश को भी काफी फायदा होगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। तोमर ने कहा कि पिछले कुछ सालों के दौरान उद्योगों के फायदे और किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए केंद्र सरकार ने श्रृंखलाबद्ध तरीके से अनेक नीतिगत सुधार किए व योजनाएं प्रारंभ की हैं। फिक्की की राष्ट्रीय कृषि समिति के चेयरमैन और टेफे के समूह अध्यक्ष टी.आर. केशवन ने इस अवसर पर कहा कि खाद्यान्न व पोषण सुरक्षा के मामले में मक्का में बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं। यह फसल विविधिकरण के मामले में भी सही मार्ग दिखाती है, साथ ही किसानों की आय बढ़ाने, खासतौर से वर्षा सिंचित क्षेत्र के छोटे एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने में यह उपयोगी रही है। इससे पहले उद्घाटन सत्र के दौरान बिहार के कृषि मंत्री अमरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि दुनिया में मक्का सबसे महत्वपूर्ण फसलों में से एक है। यह ज्यादातर विकासशील देशों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराती है।

रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में तब्दील हुआ वृंदावन गौठान, सुराजी गांव योजना से महिलाओं के सपनों को मिले पंख

छत्तीसगढ़ी व्यंजन, पूजा का सामान, मशरूम उत्पादन कर महिलाएं बन रहीं सबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुराजी गांव योजना से महिलाओं के सपनों को मिले पंखआंखों में उम्मीदों के सपने हो और मन में हौसला, तब बड़े से बड़े सपने भी साकार हो जाते हैं। राजनांदगांव जिले के ग्राम अंजोरा के वृंदावन गौठान की मेहनतकश महिलाओं ने भी एक सपना देखा अपने आर्थिक सशक्तिकरण और स्वावलंबन का। उनके सपनों को राज्य सरकार की सुराजी गांव योजना से उड़ान मिली।

26 एकड़ में फैले वृंदावन गौठान के रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में तब्दील होने से वहां काम कर रहे समूह की महिलाओं की कोशिशों ने रफ्तार पकड़ी। यहां महिलाओं के लिए आजीविका वर्क शेड का निर्माण किया गया है। अब ये महिलाएं छत्तीसगढ़ी व्यंजन, पूजा का सामान से लेकर मशरूम उत्पादन कर अपने परिवार का सहारा बन रही हैं।

राज्य सरकार की सुराजी गांव योजना से उड़ान मिली। 26 एकड़ में फैले वृंदाव

जिला प्रशासन की मदद से उन्होंने गणेश गुलाल प्राईवेट लिमिटेड से अनुबंध कर गुलाल, चंदन, कुमकुम, अगरबत्ती निर्माण का कार्य व्यापक पैमाने पर प्रारम्भ किया है। यहां आर्डर पर समूह की महिलाएं छत्तीसगढ़ी व्यंजन चीला, भजिया, फरा, गुलगुला भजिया, बड़ा, मुंगोड़ा बना रही हैं। छत्तीसगढ़ की संस्कृति का परिचय कराती कलाकृतियों से सजी रसोई में शहरवासियों के लिए कुल्हड़ की चाय और गर्मी से राहत के लिए मिट्टी के थर्मस के ठंडे पानी की भी व्यवस्था है। जय बाबा कुटी समूह की माधुरी, अनिता ने बताया कि वे रसोई को इस तरह से बनाना चाहती हैं, कि यहां शहर के लोग आकर पारिवारिक पार्टी कर सकें।

सुराजी गांव योजना

सुराजी गांव योजना गौठान में महिलाएं पूजा के लिए गोपीचंदन बनाने, अगरबत्ती निर्माण के साथ पैकेजिंग का कार्य भी सफलतापूर्वक कर रही हैं। समूह की श्रीमती लोकेश्वरी निर्मलकर ने बताया कि यहां काम करने से घर की माली स्थिति में सुधार हुआ है। अब उन्हें कार्य के लिए भटकना नहीं पड़ता। वहीं इससे परिवार के लोग काफी खुश हैं। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं अपने काम से विशेष पहचान बनाना चाहती हैं। कई महिलाएं पहली बार घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर काम कर रही हैं। आर्थिक रूप से मजबूत होने से महिलाओं को मान-सम्मान भी मिला हैं जिससे वे खुश हैं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद कहा है। मेघा यादव ने कहा कि यहां कार्य करने से जीवन स्तर बढ़ा है। अब वे बैंक में राशि जमा कर रही हैं। वहीं श्रीमती शांति साहू ने बताया कि यहां से प्राप्त राशि से उन्होंने अपने छोटे बेटे की शादी की है और घर का खर्च अच्छी तरह से चल रहा है।

गौठान के व्यापक पैमाने पर पपीते की खेती भी की जा रही है। मछली पालन और बतखपालन किया जा रहा है। गौठान के व्यापक पैमाने पर पपीते की खेती भी की जा रही है। मछली पालन और बतखपालन किया जा रहा है। यहां गोबर से लगभग 55 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन किया गया है। गौठान में साढ़े 10 एकड़ में आम, जाम, नीबू, नारियल, कटहल, मुनगा, काजू के फलदार वृक्ष भी लगाए गए हैं।

एनएसआईसी-एमएसएमई मंत्रालय ने 'इंटरप्राइज इंडिया-मेगा जॉब फेयर' आयोजित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के सचिव बी.बी. स्वेन ने आज 'मेगा जॉब फेयर' तथा एनटीएससी (ओखला) में एमएसएमई के लिए नई जांच सुविधा का उद्घाटन किया।

'मेगा जॉब फेयर' का प्रमुख उद्देश्य केन्द्र द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से पास आउट करने वाले विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, मुंजल शोवा (हीरो होंडा समूह), जेबीएम समूह, मैक्सॉप, एसपीएम ऑटो कॉम्प सहित 30 से अधिक कंपनियां नौकरी के विभिन्न प्रस्तावों के साथ मौजूद थीं।

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एमएसएमई सचिव बी.बी. स्वेन ने महामारी काल के बाद केंद्र के प्रशिक्षुओं के रोजगार के लिए 'इंटरप्राइज इंडिया मेगा जॉब' आयोजित करने के लिए सभी को, विशेषकर एनएसआईसी-एनटीएससी ओखला टीम को, बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कौशल विकास के लिए उद्योग केन्द्रित तथा मांग उन्मुख प्रशिक्षण पर बल दिया और एनएसआईसी टेक्निकल सर्विस सेंटर ओखला में नई एचडीपीई पाइप जांच सुविधा के लाभों की सराहना की।

एमएसएमई मंत्रालय के अपर सचिव एवं विकास आयुक्त शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि यह रोजगार मेला कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से केन्द्र के प्रशिक्षुओं के लिए उनके रोजगार में सहायक होगा।

एनएसआईसी की सीएमडी सुअल्का अरोड़ा ने अपने स्वागत भाषण में बताया एनएसआईसी टेक्निकल सेंटर का उद्देश्य युवाओं को मांग केन्द्रित प्रशिक्षण प्रदान करना और भविष्य के अवसरों के लिए उन्हें बाजार के लिए तैयार बनाना है। यह विशाल रोजगार मेला केन्द्र के प्रशिक्षुओं को कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार में सहायता देने के लिए महामारी काल के बाद एनएसआईसी द्वारा आयोजित पहला ऑफलाइन रोजगार मेला है।

एनएसआईसी सेंटर उद्योग के लिए कुशल मानव शक्ति की आवश्यकता को पूरा करने किए समय-समय पर रोजगार मेला आयोजित करता है। पिछले 6-7 वर्षों में केन्द्र ने 70,000 से अधिक प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया है और उनमें से अनेक कैम्पस प्लेसमेंट के माध्यम से सफलतापूर्वक विभिन्न उद्योगों में कार्य कर रहे हैं।

आयुक्त ने किया दल्ली राजहरा-रावघाट रेल एवं रावघाट इस्पात परियोजना के कार्यों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। दल्ली राजहरा-रावघाट रेल एवं रावघाट इस्पात परियोजना के कार्यों की बस्तर आयुक्त श्यामलाल धावड़े ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर, एसपी, डीएफओ, एवं रेल्वे, बीएसपी के अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा किया।

बैठक में कमिश्नर धावड़े ने कहा कि दल्ली राजहरा-रावघाट रेल एवं रावघाट इस्पात परियोजना शासन की सर्वेच्च प्राथमिकता वाली परियोजना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित कार्यों को महत्व देते हुए कार्य करें। उन्होंने कहा कि रावघाट परियोजना से प्रभावित गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, रोजगार संबंधी मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से ले और उस पर उचित कार्यवाही करें।

उन्होंने कहा कि अभी तक सभी कार्य सुचारू रूप से चल रहे हैं। इसे और अधिक बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए अधिकारी समन्वय से कार्य कर अपनी दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करें। प्रबंधन प्रभावित क्षेत्रों में सीएसआर एक्टीविटी अधिक से अधिक करें। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक पी.सुंदरराज, डीआईजी बालाजी राव, मुख्य वनसंरक्षक कांकेर रेंज राजू अगसिमनी उप महानिरीक्षक बीएसएफ, उप महानिरीक्षक एसएसबी, कांकेर कलेक्टर चंदन कुमार, नारायणपुर कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी, एसपी नारायणपुर सदानंद कुमार, एसपी कांकेर शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत देवेश कुमार ध्रुव, डीएफओ नारायणपुर थेजस शेखर, डीएफओ भानुप्रतापपुर, रेल विकास निगम लिमिटेड, बीएसपी के अधिकारियों के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि कार्य के दौरान आने वाली अधिकतर समस्याओं का समाधान कर लिया गया है। साथ ही प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों की मांग एवं समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका निराकरण तत्काल करें। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण यहां कार्य करने में चुनौती ज्यादा है। इसलिए कार्य आरंभ करने के पूर्व संबंधित क्षेत्र के सुरक्षा बल को इसकी सूचना अनिवार्य रूप से दें, ताकि सुरक्षा बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा सके।

कलेक्टर कांकेर चंदन कुमार ने कहा कि बीएसपी प्रबंधन द्वारा परियोजना प्रारंभ करने के पूर्व प्रभावित स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं क्षेत्र में चिकित्सालय के कार्य कराने कहा गया था। उन्होंने कहा कि अधिकतर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। किन्तु कुछ युवाओं को अभी भी रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया है, जिसे तत्काल रोजगार उपलब्ध कराया जाये।

नारायणपुर कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य केन्द्रों की व्यवस्था की जानी चाहिए और प्रबंधन का एक कार्यालय जिले में स्थापित होना चाहिए ताकि ग्रामीण अपनी समस्याओं से प्रबंधन को अवगत करा सकें। कलेक्टर रघुवंशी ने जिले के प्रभावित क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग
विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame Mo-9893342971 7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

व्यापारी का परिवार खत्म, 4 लाशें मिलीं

बच्चों को दिया जहर, पत्नी का फांसी और पति का जमीन पर पड़ा था शव

रायपुर (ए)। रायपुर में शुक्रवार देर शाम एक व्यापारी की उसके ही घर में परिवार सहित लाशें मिली हैं। मरने वालों में 11 और 8 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। दोनों बच्चों के शव बेड पर पड़े थे। उन्हें जहर दिए जाने की आशंका है। व्यापारी का शव जमीन पर और पत्नी का फांसी से लटका हुआ मिला है। अंदेशा है कि घरेलू विवाद में बच्चों की हत्या के बाद दंपती ने खुदकुशी की है। मामला तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बजरंग चौक निवासी पंकज जैन (45) का सीमेंट-सरिया का काम है। मकान के फर्स्ट फ्लोर में उनकी मां शारदा देवी (67) बड़े बेटे सोनल जैन के साथ रहती हैं। जबकि ग्राउंड फ्लोर पर पंकज अपनी पत्नी रुचि जैन (40), दो बच्चों बिट्टू जैन (11) और भय्यू जैन (8) के साथ रहते थे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर शाम जब पंकज के भाई घर लौटे तो सभी की मौत का पता चला। उन्होंने खिड़की से देखा तो सबके शव मिले।

अर्द्धनग्न शव मिला, सिर पर थे चोट के निशान

सूचना मिलने पर आईजी ओपी पॉल, एडिशनल एसपी कीर्तन राठौर सहित अन्य आला अधिकारी और थाने की फोर्स मौके पर पहुंच गई। दरवाजा अंदर से बंद होने के चलते पुलिस ने उसे तोड़ा और फिर कमरे में दाखिल हुई। अंदर बेड पर दोनों बच्चों के शव पड़े हुए थे और उनके मुंह से झाग निकल रहा था। उनके गले पर कपड़ा भी लिपटा था। पत्नी का शव पंखे से लटक रहा था। जबकि फर्श पर पंकज जैन का अर्द्धनग्न शव पड़ा था। उनके सिर पर चोट के निशान थे।

मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला

पुलिस के मुताबिक मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। किसी से विवाद की बात भी सामने नहीं आ रही है। प्रथम दृष्ट्या घटना की वजह पारिवारिक विवाद दिख रही है। थाना प्रभारी मोहसिन खान ने बताया कि कमरे का दरवाजा भी अंदर से बंद था। पुलिस का कहना है कि अभी तक किसी बाहरी व्यक्ति के घटना में शामिल होने की बात सामने नहीं आई है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। मौके पर एफएसएल और डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया है।

दुकान खुली थी, पर गए नहीं पंकज

पंकज जैन संडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष भी थे। संडी में ही उनकी सरिया और बिल्डिंग मटेरियल की दुकान है। देर शाम तक दुकान भी खुली थी। कर्मचारियों ने बताया कि मालिक नहीं आए तो हम लोगों ने फोन किया। उन्होंने फोन नहीं रिसीव किया। हमारे पास चाबी रहती है तो हमने दुकान खोल ली। हमें लगा कि वह कहीं व्यस्त होंगे। देर शाम लोगों से सूचना मिली कि ऐसी घटना हो गई है।

पति-पत्नी के बीच विवाद की आशंका

आईजी ओपी पॉल ने बताया कि पति-पत्नी के विवाद के चलते घटना की आशंका है। दोनों बच्चों को जहर देकर मारा गया है, क्योंकि उनके होंठ काले पड़ गए हैं। गला दबाने के भी लक्षण मिले हैं। पंकज जैन के सिर पर हथौड़ी या किसी भारी चीज से वार किया गया है। उसके शव के पास हथौड़ी मिली है। पत्नी फांसी पर झूलती मिली है। जांच की जा रही है।

बिलासपुर में पुलिस और आबकारी अमले पर हमला

बिलासपुर (ए)। अलग-अलग मामलों में आबकारी अमला और पुलिस पर आरोपितों ने हमला कर दिया। पुलिस पर हमला करने के मामले में एक आरोपित गिरफ्तार हुआ है। वहीं आबकारी अमले ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुरूवार की रात सूचना मिली कि कुछ लोग महामाया मंदिर मेला स्थल पर धारदार हथियारों से लैस हैं। इनमें से एक होटल में घुसकर मारपीट का आरोपित भी है। इस पर पुलिस की टीम संदेहियों को पकड़ने गई। वहां पर हथियार बंद लोगों ने पुलिस के जवानों पर हमला कर दिया। साथ ही उनके वाहन को टक्कर मारकर भाग निकले।

जवानों ने इसकी जानकारी थाने में दी। इसके बाद थाने से बल बुलाकर भाग रहे लोगों की तलाश की गई। आरोपित भागकर सेंदरी तक पहुंच गए थे। पुलिस के जवानों ने वहां पर घेराबंदी कर मौके से राकी सिंह(24) निवासी महनेत थाना सदर जिला भिवानी हरियाणा, संदीप शर्मा(25) निवासी हकीकत नगर जनता कालोनी जिला रोहतक हरियाणा, व वीरभानू सिंह(21) निवासी नारनोन थाना नारनोन जिला हिसार हरियाणा को गिरफ्तार किया है। आरोपित की कार से पुलिस ने तीन तलवार, पांच लोहे का राड और आठ लाठियां जब्त की है। आरोपित युवकों के खिलाफ जवानों पर हमला, शासकीय कार्य में बाधा और आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

होटल में घुसकर की थी मारपीट

आरोपित राकी सिंह फिल कोल वाशरी में बाउंसर है। वह कोयला कंपनी के वाहनों से कोयला चोरी को रोकने पेट्रोलिंग का काम करता है। इसी सिलसिले में उसकी बीते दिनों एक होटल में मारपीट हुई थी। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। गुरूवार की रात वह अपने साथियों के साथ रतनपुर में दिखा था। इस पर पुलिस की टीम उसे पकड़ने गई थी।

आबकारी कार्यालय में पदस्थ प्रधान आरक्षक नेतराम बंजारे ने मामले की शिकायत की है। गुरूवार की शाम आबकारी अधिकारियों को सूचना मिली कि मंगला में रहने वाले दो युवक देसी शराब दुकान से शराब खरीदकर भंडारण कर रहे हैं। दोनों युवक दुकान बंद होने के बाद मंहगे दाम में शराब बेचते हैं। शिकायत पर आबकारी एसआई मुकेश पांडेय ने प्रधान आरक्षक नेतराम बंजारे को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए।

पूर्व मंत्री की जनहित याचिका पर 15 जून को होगी सुनवाई

बिलासपुर (ए)। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर की जनहित याचिका पर शुक्रवार को डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। याचिका पर सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने समर वेकेशन के बाद 15 जून को सुनवाई की तिथि तय कर दी है। याचिकाकर्ता ने वर्ष 2018 से 2022 तक समर्थन मूल्य में धान खरीदी में हुई गड़बड़ी की जांच कराने व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। याचिका में यह भी आरोप लगाया है कि खरीदी के बाद परिवहन में बरती गई लापरवाही के चलते 1,198 करोड़ का नुकसान राज्य शासन को उठाना पड़ा है। यह जनता की गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा है जो लापरवाही की भेंट चढ़ गई है।

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने अपनी याचिका में कहा है कि राज्य सरकार की उदासीनता और गलत कार्यप्रणाली के चलते 1,198 करोड रुपये का नुकसान हुआ है। शासन की धान खरीदी योजना में गलत नीतियों के कारण खरीदे गए धान के लिए नियम नहीं होने और समय पर उठाव नहीं होने के कारण धान में नमी की कमी हुई और धान को सूखा घोषित करना पडा। मिलिंग सही समय पर नहीं के कारण भी यह नुकसान हुआ है। याचिकाकर्ता ने नियमों का हवाला देते हुए कहा है कि धान की खरीदी, रखरखाव और उठाव एक निर्धारित समयावधि में होनी चाहिए जो नहीं हो रही है।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि विधानसभा सत्र के दौरान विधानसभा में सवाल भी उठाया था। विभागीय मंत्री ने जवाब भी दिया था। लगातार हो रहे नुकसान के बाद भी राज्य शासन द्वारा समुचित कदम नहीं उठाया जा रहा है। जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने अगली सुनवाई के लिए 15 जून की तिथि तय कर दी है। इसी बीच हाई कोर्ट में समर वेकेशन है। इसके बाद ही मामले की सुनवाई की जाएगी। हालांकि वेकेशन के दौरान अन्य जरूरी मामलों की सुनवाई हाई कोर्ट में होगी।

शव लेकर सड़क पर उतरने वालों के खिलाफ एक्शन

पूर्व पटवारी की मौत के बाद हुआ था हंगामा, 8 लोग गिरफ्तार

जांजगीर (ए)। जांजगीर जिले में पूर्व पटवारी की मौत के बाद हुए बवाल मामले में पुलिस ने अब कार्रवाई की है। पुलिस ने इस केस में अब उसके परिजनों समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी ने मिलकर शव लेकर सड़क पर चक्काजाम किया था। जिसके बाद कुल 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। मामला मुलमुला थाना क्षेत्र का है।

05 मई की रात को मुलमुला निवासी मंगतूराम भैना की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद 6 मई को परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया था। परिजनों का आरोप था कि मंगतूराम ने पहले ही वीआरएस लिया था। मगर वीआरएस लेने के 2 साल बाद भी उन्हें ना तो पेंशन मिला, ना ही कोई और राशि। इसी वजह से उसका इलाज नहीं हो सका और उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने इसी मांग को लेकर करीब 4.5 घंटे तक भरी धूप में चक्काजाम किया था। इस वजह से आने-जाने वाले लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। प्रशासन की काफी समझाइश के बात परिजन माने थे। फिर मामला शांत हुआ था। लेकिन पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों के खिलाफ 147 और 341 के तहत मामला दर्ज किया था। अब पुलिस ने पूरी कार्रवाई की है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0788-2323633 E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (तृतीय आमंत्रण) //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत "बी, सी, डी" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "ए" में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड दुर्ग/पाटन के निम्नलिखित ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत सिंगल विलेज नलजल प्रदाय योजना योजनांतर्गत विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.सू.क्र./दिनांक	सिस्टम क्र.	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1	19/10.05.2022	99447	दुर्ग	महमरा	67.66
2	20/10.05.2022	99449	दुर्ग	पीपरछेड़ी, खुर्सीडीह, मालूद	194.10
3	21/10.05.2022	99450	पाटन	डगनिया, गुजरा, कसही	230.88
4	22/10.05.2022	99451	पाटन	बोहारडीह, मानिकचौरी, बोदल	221.27

नोट:- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानाकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 17.05.2022 से देखे जा सकते हैं तथ बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 25.05.2022 है।

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड,
दुर्ग (छ.ग.)

जी-91133/5

कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	98785 प्रथम आमंत्रण 04.05.2022	जिला बेमेतरा के सोनडोंगरी से रानों मार्ग लंबाई 4.325 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य	460.59
2	98805 प्रथम आमंत्रण 04.05.2022	जिला राजनांदगांव के कोठरीछापर से मोहारा मार्ग लंबाई 2.40 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	265.12
3	98888 प्रथम आमंत्रण 05.05.2022	जिला बलौदाबाजार के बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत पं. चक्रपाणी शुक्ला आत्मानंद हिंदी माध्यम उत्कृष्ठ विद्यालय हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदा-बाजार का रिनोवेशन कार्य, सेनेटरी फिटिंग, वा.स. एवं विद्युतीकरण कार्य सहित।	271.54
4	98961 प्रथम आमंत्रण 05.05.2022	जिला कोण्डागांव के कुम्हारी से सीधावण्ड मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. में डामरीकरण एवं पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	231.55
5	98985 प्रथम आमंत्रण 05.05.2022	जिला राजनांदगांव के मारूटोला से देवरी मार्ग लंबाई 1.45 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	212.84
6	99083 प्रथम आमंत्रण 06.05.2022	जिला रायपुर में आयुक्त कार्यालय भवन निर्माण कार्य, वा.स. से.फि. एवं विद्युतीकरण सहित (संभाग क्रं.-02 रायपुर)।	498.51
7	99082 प्रथम आमंत्रण 06.05.2022	जिला बालोद के खुंदनी डढ़ारी मार्ग लं. 2.40 कि.मी. का पुल पुलिया सहित मजबूतीकरण एवं डामरीकरण का कार्य।	368.78
8	99278 प्रथम आमंत्रण 09.05.2022	जिला बलरामपुर के केरता बसराजकुंवर मानपुर तक सड़क एवं पुल पुलिया निर्माण ल. 18.00 कि.मी. (वास्तविक लं. 14.54 कि.मी.) का निर्माण कार्य (CGRIDCL)	2032.87

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्रं. 08 दिनांक 30.05.2022 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 26.05.2022 निर्धारित है। निविदा में भाग लने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

जी-91124/9

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/दो/सं.वि./2022/1703/80 भिलाई, दिनांक 11/05/2022

//नामांतरण सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले समस्त हितग्राहियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता कि निम्नलिखित हस्तान्तरिती के नाम से हस्तांतरण करने मे यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाश तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार न किया जावेगा।

क.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तातरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	श्री मुरलीधर कृष्णानी आ0 स्व0 अर्जुन दास कृष्णानी निः- एमआईजी 80 हाउसिंग बोर्ड भिलाई	श्री ए0के0 सूरी आ0 श्री आर0पी0 सूरी निः- नेहरु नगर भिलाई	बिक्रीनामा	मो0 ने0 न0 प0 आ0 यो0 ब्लाक क0 49 भूखंड कमांक 02 आकार 12 मी0 X18मी0= 216 व0मी0
2	श्री हर्षल आहूजा पति श्री जगदीश आहूजा निः- 14/01, ने0 न0 पश्चिम भिलाई	श्री असीम आहूजा पिता श्री जयकिशन आहूजा निः- 13/4, ने0 न0 पश्चिम भिलाई	बिक्रीनामा	दक्षिण गंगोत्री व्य0 यो0 ब्लाक क0 16 प्लाट कमांक 15 आकार 4.5 मी0X 9. मी0= 40.5 व0मी0
3	श्री अरविंद सिंह आ0 श्री धर्मनाथ सिंह निः- टाटा केपिटल फायनेंशियल सर्विसेस लि. शाखा रायपुर जिला रायपुर	श्री राम जी साह आ0 स्व0 शिवाजी साह निः- टंकी मरोदा भिलाई	बिक्रीनामा	विजय काम्पलेक्स व्य0 यो0 ब्लाक क0 ए4 भूखंड कमांक 18 आकार 4.5 मी0 X 10 मी0 = 45 व0मी0
4	श्रीमती सरिता अग्रवाल पति श्री राजकुमार अग्रवाल निः- 26/03, मो0 ने0 न0 पूर्व	श्रीमती रीता देवी पति श्री राजकुमार गुप्ता निः- जवाहर नगर भिलाई	बिक्रीनामा	जवाहर नगर आ0 यो0 ब्लाक क0 ए 02 भूखंड कमांक 06 आकार 11.4 मी0X 24 मी0 = 273.6 व0 मी0
5	श्री अरविंद सिंह आ0 श्री धर्मनाथ सिंह निः- टाटा केपिटल फायनेंशियल सर्विसेस लि. शाखा रायपुर जिला रायपुर	श्री राम जी साह आ0 स्व0 शिवाजी साह निः- टंकी मरोदा भिलाई	बिक्रीनामा	विजय काम्पलेक्स व्य0 यो0 ब्लाक क0 ए4 भूखंड कमांक 17 आकार 4.5 मी0 X 10 मी0 = 45 व0मी0
6	स्व0 सुच्चा सिंह ढिल्लन पिता स्व0 सुरता सिंह ढिल्लन निः- तितुरडीह दुर्ग तह0 व जिला दुर्ग	श्रीमति परमजीत कौर पति स्व0 स्व0 सुच्चा सिंह ढिल्लन निः- तितुरडीह दुर्ग तह0 व जिला दुर्ग	वारिसान	जी.ई. रोड सुपेला व्य0 यो0 ब्लाक क0 02 भूखंड कमांक 01 आकार 50 मी0X50 मी0= 2500 व0फु0

उपायुक्त
नगर पालिक निगम
भिलाई

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

टाउनशिप सहित स्वास्थ्य केंद्रों में लगाए जाएंगे कोविड के टीके

भिलाई। नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में 14 व 15 मई को कोविड-19 के वैक्सीन लगाए जाएंगे। कल वार्ड 66 के हनुमान मंदिर के पास सड़क 18 सेक्टर 7, वार्ड 67 रेलवे टिकिट काउंटर स्टेशन सेक्टर 7, वार्ड 68 भिलाई नायर समाज स्कूल सेक्टर 8, वार्ड 69 पीजी नर्सिंग कॉलेज सेक्टर 9 व वार्ड 70 के सियान सदन मिलन चौक हुडको के टीकाकरण केंद्र वैक्सीन लगाए जाएंगे। वहीं पीएचसी जुनवानी खम्हरिया, यूपीएचसी कोसा नगर के पीदे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मंगल बाजार कोहका सामुदायिक भवन, शास्त्री हॉस्पीटल सुपेला, पीएचसी वैशाली नगर, यूपीएचसी बैकुंठधाम, यूपीएचसी छावनी, खुर्सीपार पीएचसी, बापू नगर पीएचसी, सतविजय ऑडिटोरियम सेक्टर 5 में कोरबेवैक्स, कोविशील्ड व कोवैक्सीन के टीके लगाए जाएंगे। महापौर व आयुक्त ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि कोविड टीकाकरण केंद्र में पहुंचकर वैक्सीनेशन कराएं।

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर का लिया जायजा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त प्रकाश सर्वे स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं, इसी तारतम्य में आयुक्त ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर का औचक निरीक्षण किया, जब आयुक्त मेडिकल स्टाफ के उपस्थिति की जानकारी ले रहे थे तब उन्हें पता चला कि मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर रीटा चाबा ड्यूटी पर नहीं पहुंची है, बिना बताए और बिना कारण के अनुपस्थित है और मरीज स्वास्थ्य सेवा के लिए इंतजार कर रहे हैं, इस पर उन्होंने मेडिकल ऑफिसर को नोटिस जारी करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए हैं, इसी प्रकार से कुसुम अरकरे फार्मासिस्ट भी ड्यूटी पर नहीं मिली। निगमायुक्त ने निरीक्षण के दौरान टीकाकरण की स्थिति का जायजा लिया, कोविड-19 के रोकथाम के लिए छूटे हुए लोगों को अधिक से अधिक टीकाकरण कराने के निर्देश दिए, वहां पर पहुंचे मरीजों से भी स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा को लेकर आयुक्त ने बात की। स्वास्थ्य केंद्र के आवक-जावक केंद्र के रजिस्टर का निरीक्षण किया, उन्होंने अस्पताल में निरंतर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए तथा पेयजल व्यवस्था का भी जायजा लिया। आयुक्त ने मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए चिकित्सकों से चर्चा की।

जन समस्या निवारण शिविर का महापौर एवं निगम आयुक्त ने किया निरीक्षण

महापौर ने आवेदकों की सुनी समस्या, निराकरण करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लोगों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए महापौर नीरज पाल के निर्देश पर भिलाई निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जा रहा है, जहां लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन दे रहे हैं। आज महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे ने निगम क्षेत्र के जन समस्या निवारण शिविर के स्थलों का निरीक्षण किया।

महापौर ने इस दौरान कहा कि लोगों की छोटी-छोटी ऐसी समस्याएं जो त्वरित निराकरण योग्य है उसे प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पूरा करें, नागरिक सेवाएं जैसे पानी, बिजली और सफाई का समाधान सबसे पहले करें। इसके अलावा, राशन कार्ड, आधार कार्ड, पेंशन, पट्टा जैसे आवेदनों पर अविलंब गंभीरतापूर्वक निराकरण करें, उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे विभागों से संबंधित प्रकरण जो शिविर के माध्यम से प्राप्त होंगे उन्हें संबंधित विभागों में भेजकर उसकी सतत मॉनिटरिंग करें और उसकी जानकारी लेकर आवेदक को भी सूचित करें। आज नगर निगम क्षेत्र के जोन क्रमांक 1 नेहरू नगर, वार्ड क्रमांक 19 राम जानकी मंदिर राजीव नगर, जोन क्रमांक 3 वार्ड 32 बैकुंठ धाम आंगनबाड़ी केंद्र के समीप, जोन क्रमांक 4 वार्ड क्रमांक 40 मंगल बाजार छावनी एवं जोन क्रमांक 5 वार्ड 59 सेक्टर 5 में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया था। जन समस्या निवारण शिविर के निरीक्षण के दौरान महापौर परिषद के सदस्य एवं लोक निर्माण विभाग के प्रभारी एकांश बंछोर प्रमुख रूप से मौजूद थे।

मंगलवार को इन केंद्रों में लगेंगे जन समस्या निवारण शिविर मंगलवार दिनांक 17 मई 2022 को जोन क्रमांक 1 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 5 कोसानगर के सांस्कृतिक भवन में, जोन क्रमांक 2 वैशाली नगर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 20 वैशाली नगर के सांस्कृतिक भवन में, जोन क्रमांक 3 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 33 संतोषी पारा के कैंप 2 के वार्ड कार्यालय में, जोन क्रमांक 4 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 41 औद्योगिक क्षेत्र छावनी के सामुदायिक भवन में तथा वार्ड क्रमांक 59 सेक्टर 5 के सत् विजय ऑडिटोरियम में जन समस्या निवारण शिविर लगेगा, जहां अपनी समस्याओं को लेकर आम नागरिक आवेदन दे सकेंगे और समाधान पा सकेंगे।

कोकओवन के सीजीएम राव ने नॉलेज शेयरिंग वर्कशॉप में अपने अनुभव को किया साझा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन और कोल केमिकल विभाग ने मानव संसाधन विकास विभाग (एचआरडीडी) में नॉलेज शेयरिंग वर्कशॉप आयोजित करके पिछली पीढ़ी के ज्ञान को नई पीढ़ी में स्थानांतरित करने की पहल की है।

कार्यक्रम का आयोजन 13 मई, 2022 को एचआरडी के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में सीओ एंड सीसीडी, एसईडी और एचआरडी के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यषाला में कोल केमिकल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक श्री जी ए राव ने संयंत्र के विभिन्न विभागों में 37 वर्षों के अपने वृहद कार्य अनुभव और ज्ञान को साझा किया। विदित हो कि श्री राव इस महीने संयंत्र की सेवा से सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

जी ए राव ने केस स्टडी के साथ रासायनिक खतरों और फैक्ट्री अधिनियम 1948 की प्रासंगिक धाराओं, सीमित स्थान के खतरों और उनसे बचाव के तरीके, सीओ एंड सीसीडी में आपातकालीन स्थितियों को संभालने के अनुभव के बारे में बात की, जो न केवल सीओ एंड सीसीडी में हुआ, बल्कि पूरे प्लांट में हुए घटनाओं पर आधारित है। उन्होंने कई जीवन्त घटनाओं का वर्णन किया। नियरमिस केस, दुर्घटनाओं, ब्रेकडाउन तथा अवलोकन की जरूरत प्रकाष डाला। सभी प्रतिभागियों ने पूरे सत्र के दौरान संवाद में बेहद रूचि दिखाई।

शिविर में मिले श्रद्धांजलि योजना अंतर्गत आवेदनों का त्वरित निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में व्याप्त समस्याओं का निराकरण के लिए जन समस्या समाधान शिविर में वार्ड क्रमांक 9,10 एवं 11 के हितग्राहियो द्वारा श्रद्धांजलि योजना के अंतर्गत मिलने वाले राशि के लिए आवेदन शिविर में किया गया था।

शिविर में आवेदन प्राप्त होते ही त्वरित निराकरण करते हुए आवेदक से संपर्क कर निगम परिसर में बुलाकर महापौर धीरज बाकलीवाल ने पार्षद चंद्रशेखर चंद्राकर एवं लेखाधिकारी राजकमल बोरकर के मौजूदगी में आवेदकों को श्रद्धांजलि योजना की राशि प्रार्थी रितेश सोनी,श्रीमती आरती राजपूत एवं सब्बू निषाद को 2-2 हज़ार रुपये का चेक वितरित किया।शिविर में प्राप्त आवेदन का

त्वरित निराकरण किया गया।गौरतलब है कि नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत के सभी 60 वार्डो में व्याप्त मूलभूत सुविधाओं के लिए निराकरण के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त हरेश मंडावी ने शहर समस्त वार्डो नागरिको से अपील की है कि अपनी समस्यों का समाधान के लिए आपके नजदीक वार्डो में लगने वाले शिविर में पहुँचकर मांग,समस्यों समेत अन्य हेतु आवेदन कर सकते है।

नाहटा दम्पति ने की देहदान की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आजाद चौक राजनांदगांव निवासी सिद्ध राज नाहटा ने पत्नी श्रीमती शांता नाहटा के साथ अपने देहदान की घोषणा कर वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के उज्जवल पींचा को सौंपी नाहटा दम्पति ने कहा हमारे जाने के बाद हमारा शरीर मेडिकल के छात्रों के कार्य में आये व हमारे नेत्रों से चार लोगों को नई रौशनी मिलेगी तो हमारा जीवन सार्थक होगा उन्होंने कहा वह नवदृष्टि फाउंडेशन के कार्यों से काफी प्रभावित हैं व उनके कार्यों से प्रेरणा लेते हैं।

उज्जवल पींचा ने कहा नाहटा परिवार राजनांदगाव का प्रतिष्ठित

परिवार है।

अत: उनके देहदान की घोषणा से समाज में सकारात्मक सन्देश जाएगा व लोग देहदान व नेत्रदान हेतु जागरूक होंगे नवदृष्टि फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य राज आढ़तिया ने कहा राजनांदगाव में हमारी संस्था के सदस्य बहुत सक्रीय हैं व अब सदस्यों के प्रयास से राजनांदगाव में लगातार जागरूकता आ रही है व लोग नेत्रदान व देहदान कर रहे हैं।

कोरोना काल के समय से ही मेडिकल कॉलेज में केडेवर की कमी देखि गई किन्तु अब पाबंदी हटने के पश्चात फिर लोग देहदान व नेत्रदान कर रहे हैं एवं अन्य लोगों को जागरूक कर रहे हैं। नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार ,कुलवंत भाटिया,राज आढ़तिया,प्रवीण तिवारी,मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई,, किरण भंडारी, रितेश जैन, जितेंद्र हासवानी,सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, पियूष मालवीय,विकास जायसवाल मुकेश राठी,दीपक बंसल,प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ ,सूरज साहू संतोष राजपुरोहित,चेतन जैन ,चन्दन मिश्रा,यतीन्द्र चावड़ा, नत्थू अग्रवाल, खुर्शीद अहमद, आकाश मसीह, वीरेंद्र पाली, प्रफुल्ल जोशी,प्रसाद राव,संतोष रत्नानी दीपक बंसल ने नाहटा दम्पति के देहदान के निर्णय का स्वागत किया व शुभकामनाएं दी।

भाजपा का जेल भरो आंदोलन

प्रेम प्रकाश पाण्डेय के निवास पर संपन्न हुई बैठक, बनी रणनीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान में 16 मई 2022 को भारतीय जनता पार्टी द्वारा होने वाली जेल भरो आन्दोलन में सहयोग करने के लिए बैठक भुतपूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय के निवास में बैठक सम्पन्न हुई।

इस जेल भरो आन्दोलन में भारतीय जनता पार्टी ने सभी सामाजिक तथा धार्मिक संगठनो से सहयोग की अपील की थी इसलिए श्रीराम जन्मोत्सव समिति अपने सम्पूर्ण दुर्ग जिले के कार्यकर्ताओं के साथ जेल भरो आन्दोलन में शामिल रहेगी।

16 मई को 01 बजे तक कुम्हारी, चरोदा, भिलाई-3, खुर्सीपार, पुरैना, छावनी, जामुल, कैम्प तथा सेक्टर-1 के कार्यकर्ता सेक्टर-1 में सेन्ट्रल ऐवेन्यू गणेश पंडाल में उपस्थित होंगे। सेक्टर-2, सेक्टर-3 सेक्टर-4, के कार्यकर्ता सेक्टर-2 गणेश पंडाल में उपस्थित होंगे। इसी प्रकार सेक्टर-5, सेक्टर-6 के कार्यकर्ता बेरोजगार चौक पर उपस्थित होंगे। सेक्टर-7, सुपेला, वैशालीनगर, रिसाली के कार्यकर्ता ग्लोब चौक (रेल चौक) में उपस्थित होंगे। उसके बाद सेक्टर-8, सेक्टर-10, नेहरू नगर, स्मृति नगर, के कार्यकर्ता सेन्ट्रल एवेन्यू गणेश पंडाल में उपस्थित होंगे।

सेक्टर-9, हुड़को के कार्यकर्ता बत्तीस बंगला वाईशेप ब्रिज के पास उपस्थित होंगे।

इस आन्दोलन के नेतृत्वकर्ता भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रान्त है। इस बैठक में श्रीराम जन्मोत्सव समिति के प्रदेश अध्यक्ष रमेश माने, प्रान्तीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर, जिला अध्यक्ष सेवक राम साहू, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय, जिला महामंत्री मदन सेन, बसंत प्रधान, जोगिन्दर शर्मा, दीपक मिश्रा, कोषाध्यक्ष विनोद सिंह, क्रोर ग्रुप के सदस्य तेजबहादुर सिंह, श्याम लाल साहू, विष्णु पाठक, मुन्ना पाण्डेय, धीरज शुक्ला, के.के. तिवारी, अरविन्द जैन, मुरलीधर अग्रवाल, उपाध्यक्ष जयशंकर चौधरी, प्रशांत पाण्डेय, के.एल. श्रीवास्तव, जिला मंत्री, आर.पी. सिंह, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निदान 40 :170 लोगों ने बताई समस्या

सत्तर प्रतिशत विकलांग बच्ची को एम्स जाने में आ रही थी समस्या, अब निगम के संसाधन से जाएगी अस्पताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। निदान 40 मेगा शिविर में ऐसे परिवार के सदस्यों को उम्मीद की नई किरण मिली जब आयुक्त आशीष देवांगन ने कहा कि बच्ची को फिजियोथैरपी के लिए निगम संसाधन उपलब्ध कराएगा। दरअसल वार्ड 40 निवासी 16 वर्ष की आरती को लेकर उसके परिजन पुरैना स्थित सांस्कृतिक भवन शिविर स्थल पहुंचे थे। उन्होंने संसाधन के अभाव में हर माह बच्ची को एम्स ईलाज के लिए ले जाने में अस्मर्थता जाहिर की।

शासन की योजनाओं को घर-घर पहुंचाने और समस्याओं का निराकरण करने लगाए शिविर में पहुंचे कठुवा परिवार के सदस्यों को आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि लक्ष्मी को अस्पताल पहुंचाने की जिम्मेदारी निगम की होगी। दरअसल आरती 8 वी की पढ़ाई पूरी कर ली है। वो बचपन से चल नही सकती। एम्स के डॉक्टरों ने भरोसा दिलाया है कि वह जल्द अपने पैरो में चलेगी किन्तु माली हालत ठीक नहीं होने से परिवार के सदस्य अस्पताल ले जाने में असमर्थ है। आयुक्त इस समस्या का निराकरण करते कहा कि एम्स ले जाने के 2 दिन पूर्व उन्हे सूचना दे।

क्षेत्रीय विधायक व गृह एवं लोकनिर्माण विभाग के मंत्री ताम्रध्वज साहू के निर्देश पर निगम क्षेत्र के 40 वार्डो में अलग-अलग स्थानों पर शिविर लगाया जा रहा है। शिविर का उदघाटन प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू ने किया। इस अवसर पर नगर पालिक निगम के सभापति केशव बंछोर, एमआईसी सदस्य विलास राव बोरकर, परमेश्वर, सनीर साहू, अनूप डे, चन्द्रभान ठाकुर, पार्षद रंजीता बेनुआ, पार्वती महानंद, चन्द्रप्रकाश निगम, आयुक्त आशीष देवांगन, कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर व शिविर के नोडल अधिकारी रमाकांत साहू आदि उपस्थित थे।

पुरैना निवासी राजेश कठुवा को प्रशासन ने 10 हजार की सहायता देते चेक प्रदान किया था। चेक छ: माह बाद जमा करने पर आहरण अवधि समाप्त होने पर बैंक ने चेक लौटा दिया था। शिविर में जानकारी देने पर निगम अधिकारियों ने तत्काल एसडीएम से संपर्क कर दोबारा चेक तैयार कराया और हितग्राही को सौपा। वही शिविर में नि:शक्त वृद्ध महिला के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई।

वैसे तो शिविर में विभागवार समस्याओं का निदान करने 15 टेबल लगाया गया था। सबसे ज्यादा राहत 60 से 75 वर्ष के वरिष्ठ नागरिकों को मिली। कुल 170 आवेदनों में 16 ऐसे थे जो वृद्धा पेंशन से संबंधित थे। इनमें से 3 पेंशन की पात्रता रखने के बाद भी लाभ नही ले रहे थे। वही 1 राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ दिलाते व 12 पेंशन रूकने की शिकायत का निराकरण किया गया। इसके अलावा शिविर में 45 लोगों ने राशन कार्ड बनाने, नाम सुधार, गुमास्ता लायसेंस के लिए 6 लोगों ने, प्रधानमंत्री आवास के लिए 11 लोगो को आवेदन उपलब्ध कराया गया। इसी तरह किराना दुकान का विस्तार करने आजीविका मिशन ने ऋण उपलब्ध कराने 1 आवेदन उपलब्ध कराया गया। शिविर में 7 लोगों ने लगभग 23000 संपत्तिकर जमा करने के साथ ही 2 पट्टाधारी हितग्राहियों ने योजना के तहत मालिकाना हक लेने रजिस्ट्री कराने सहमति दी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950